(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र) DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021 Title Code : DELHIN28978

संपादक :
राकेश कुमार
Mob.: 9560484749

यूनिवर्सल मीडिया

दिल्ली से प्रकाशित व भारतवर्ष में प्रसारित
Email : universalmedianews18@ gmail.com, Mob.: 9560484749

परमात्म ऊर्जा

वर्ष-3 अंक-47 बृहस्पतिवार 15 मई से 21 मई 2025 नई दिल्ली, संपादक : राकेश कुमार पृष्ठ-8 मूल्य: 1.00 रूपये

न्यूज फटाफट

150 करोड़ से होगा TOD का विकास

नई दिल्ली।। आने वाले दिनों में कड़कडडूमा में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट कोरिडोर (टीओडी) परियोजना में फ्लैट्स आवंटन से लेकर अन्य सार्वजनिक बेहतरीन सुविधाओं का नजारा देखने को मिलेगा। परियोजना तेजी से प्रगति कर रही है। 267 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली इस परियोजना को 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

श्रीगुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स की लाइब्रेरी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली।। दिल्ली पीतमपुरा के श्रीगुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स में भीषण आग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों द्वारा आघ बुझाने का सिलसिला चल रहा है। आग लाइब्रेरी की तीसरी मंजिल पर लगी। घटना के समय वहां कोई मौजूद नहीं था। जानहानि की कोई खबर सामने नहीं आई है। जबकि दस्तावेज और अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

डीएमआरसी की तर्ज पर 1 और बस डिपो को अनुमति

नई दिल्ली।। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) की तर्ज पर डीटीसी दो और बस डिपो में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति देगी। इससे मिलने वाला राजस्व को डिपो के रेनोवेशन पर खर्च किया जाएगा। इस योजना में दिल्ली परिवहन निगम (DTC) अपने बंदा बहादुर मार्ग और सुखदेव विहार बस डिपो को शामिल करने जा रहा है।

डीटीसी को उम्मीद है कि वो अपने इन दो डिपो में कमर्शियल गतिविधियों को अनुमति देकर करीब 2,600 करोड़ रुपए जुटाएगा।

आज का सुविचार

तूफानों को जीवन की डगर में तोहफा समझे तो उनसे घबरायेंगे नहीं।

'नकलची' शरीफ दोहरा न सके पीएम मोदी का आदमपुर पावर प्ले, दिखी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

एजेंसी

नई दिल्ली।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब के आदमपुर एयरबेस के शक्ति प्रदर्शन वाले दौरे की घटिया नकल करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बुधवार को सियालकोट के पसरूर छावनी की यात्रा ने भारतीय हवाई हमलों के पाकिस्तानी सैन्य ढांचे पर विनाशकारी प्रभाव को उजागर कर दिया है। पीएम मोदी 13 मई को पूरी तरह से चालू आदमपुर बेस पर एक हरक्यूलिस विमान में सवार होकर आत्मविश्वास से पहुंचे और ए-400 और मिग-29 लड़ाकू जेट विमानों के साथ एक जोशीला भाषण दिया, शरीफ की पसरूर की यात्रा हताशा, क्षति नियंत्रण और भ्रम के संकेतों से भरी हुई थी।

बिना हवाई पट्टी पर उतरे, दूर हेलीकॉप्टर: शरीफ का बुधवार को पसरूर का दौरा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना द्वारा पहुंचाई गई क्षति की सीमा को छुपाने का एक सावधानीपूर्वक प्रयास प्रतीत होता है, जो पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद हुआ था। पर्यवेक्षकों ने नोट किया कि उन्होंने क्षतिग्रस्त वायु रक्षा रडार से काफी दूर एक स्थान से पाकिस्तानी सैनिकों को संबोधित किया, हेलीकॉप्टर केवल काफी दूरी पर दिखाई दे रहे थे - यह सुझाव देते हुए कि साइट पर लैंडिंग संभव नहीं थी।

पर्यवेक्षकों ने पाकिस्तान के पीएम को हवाई पट्टी पर उतरते हुए दिखाने वाले किसी भी दृश्य की अनुपस्थिति की ओर भी इशारा किया, इसे इस बात का स्पष्ट संकेत बताया कि यह स्थल भारत के सटीक हमलों से क्षतिग्रस्त हो गया था। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए एकमात्र फुटेज में शरीफ को जीप में गाड़ी चलाते हुए दिखाया गया है, जिससे यह पता चलता है कि एयरबेस की हवाई पट्टी निष्क्रिय हो गई होगी।

दिखावटी प्रबंध हकीकत नहीं छुपा सके : बहादुरी का दिखावा करने के लिए, शरीफ ने पाकिस्तानी सैनिकों को एक बनावटी युद्धक्षेत्र सेटअप में संबोधित किया - एक टैंक के ऊपर खड़े होकर, पृष्ठभूमि में एक फ्लेक्स शीट के साथ युद्ध के दृश्यों और प्रॉप्स को दर्शाया गया था, जिनकी भारत-पाकिस्तान संघर्ष में बहुत कम या कोई भूमिका नहीं थी। इसके विपरीत, पीएम मोदी का संबोधन भारत की रक्षा शक्ति की वास्तविक और परिचालन पृष्ठभूमि के खिलाफ था। प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमने उनके घर में घुसकर कुचल दिया (हम उनके घर में घुस गए और उन्हें कुचल दिया)', पाकिस्तान और दुनिया को एक ज़ोरदार और स्पष्ट संदेश भेजा।

भारत के हमले निर्णायक, पाकिस्तान के झूठ बेनकाब : परिचालनगत ए-400 प्रणालियों के साथ आदमपुर में मोदी की उपस्थिति ने पाकिस्तान के पहले के प्रचार को निर्णायक रूप से खारिज कर दिया कि उसने पंजाब में एयरबेस को निशाना बनाया और नष्ट कर दिया था। भारत के रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की कि आदमपुर को बिल्कुल भी नुकसान नहीं हुआ, और पीएम मोदी के वहां उतरने से साबित हो गया कि पाकिस्तान के दावे कोरी बकवास से ज्यादा कुछ नहीं थे।

इस बीच, पाकिस्तानी पक्ष की वास्तविकता एक अलग कहानी कहती है। पसरूर छावनी, जहाँ शरीफ ने मनोबल बढ़ाने वाली अपनी यात्रा का प्रयास किया, 10 मई को भारतीय वायु सेना द्वारा एक पूर्व-सुबह ऑपरेशन में मारे गए 11 पाकिस्तानी सैन्य स्थलों में से एक था। पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर अकारण ड्रोन हमले करने के बाद भारत की प्रतिक्रिया आई।

अब नहीं रहेंगे एक जैसे EPIC नंबर, आयोग ने जारी किए नए पहचान पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली।। निर्वाचन आयोग ने मतदाता पहचान पत्र (EPIC) में समान नंबरों की समस्या का स्थायी समाधान निकाल लिया है। आयोग ने उन सभी मतदाताओं को नया EPIC नंबर जारी कर दिया है, जिनके पहचान पत्रों में एक जैसे नंबर दर्ज थे। यह जानकारी मंगलवार को आयोग से जुड़े सूत्रों ने दी।

बहुत कम थे ऐसे मामले, सभी राज्यों में हुई जांच : चुनाव आयोग के अनुसार, ऐसे दोहराए गए EPIC नंबर के मामले बहुत ही कम पाए गए, औसतन हर चार मतदान केंद्रों में एक मामला सामने आया। इन मामलों में जिन मतदाताओं के EPIC नंबर एक जैसे थे, वे वास्तव में अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों और मतदान केंद्रों के निवासी थे। आयोग ने देशभर के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 4,123 विधानसभा क्षेत्रों और 10.5 लाख मतदान केंद्रों की गहन जांच करवाई। इस प्रक्रिया के तहत 99 करोड़ से अधिक मतदाताओं का डेटा खंगाला गया और प्रत्येक केंद्र पर औसतन 1,000 मतदाताओं की जांच की गई।

तीन महीने में हुआ वर्षों पुराने मामले का समाधान : विपक्षी दल, खासकर तृणमूल कांग्रेस, लंबे समय से मतदाता सूची में गड़बड़ी और हेराफेरी के आरोप लगाते रहे हैं। इन आरोपों के बाद मार्च में चुनाव आयोग ने तीन महीने के अंदर इस समस्या का हल निकालने का वादा किया था। आयोग ने इसे गंभीरता से लेते हुए पूरे देश में विस्तृत सत्यापन कराया और वर्षों पुराने इस मुद्दे का समाधान समय रहते कर दिखाया।

अब जिन मतदाताओं के EPIC नंबर पहले एक जैसे थे, उन्हें अलग-अलग नए और यूनिक नंबर वाले पहचान पत्र दे दिए गए हैं।

इससे मतदाता सूची में पारदर्शिता बढ़ेगी और भविष्य में किसी भी प्रकार की चुनावी गड़बड़ी की संभावना कम होगी।

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

एजेंसी

नई दिल्ली।। बुधवार को न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश (CJI) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में शपथ दिलाई। उन्होंने हिंदी भाषा में शपथ ली। न्यायमूर्ति गवई, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की जगह लेंगे, जो मंगलवार को 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्त हो गए। गवई का कार्यकाल इस साल 23 नवंबर तक रहेगा।

न्यायमूर्ति गवई के शपथ लेने पर देशभर से उन्हें बधाइयां मिल रही हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, 'भारत के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने पर न्यायमूर्ति भूषण गवई को हार्दिक बधाई। आशा है कि उनका कार्यकाल न्यायपालिका में लोगों का विश्वास और भी मजबूत करेगा।'

वहीं दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भी बधाई देते हुए लिखा, 'न्याय, समानता और संविधान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमारे लोकतंत्र को और मजबूत बनाएगी और हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।'

न्यायमूर्ति गवई का इस पद तक पहुंचना सामाजिक दृष्टि से भी बहुत अहम माना जा रहा है। वे दलित समुदाय से आने वाले भारत के दूसरे मुख्य न्यायाधीश हैं। उनसे पहले न्यायमूर्ति के. जी. बालाकृष्णन इस समुदाय से पहले मुख्य न्यायाधीश बने थे। गवई की नियुक्ति को न्यायिक क्षेत्र में सामाजिक समावेश की दिशा में एक अहम कदम के रूप में देखा जा रहा है।

सम्पादकीय

सत्य की राह

राकेश कुमार

'भाषा मानव का एक ऐसा अदृश्य अंग है, जिसमें इन्सान का सब कुछ दिखाई देता है'।

त्याग और प्रेम के पथ पर चलकर मूल न कोई हारा; हिम्मत से पतवार संभालो फिर कैसे रहेगा दूर किनारा! कबीरा - 'जब हम पैदा हुए, जग हंसा, हम रोये; ऐसी करनी कर चलें कि हम हंसे, जग रोये।

कहते हैं कि हर कोशिश में सफलता नहीं मिलती है, लेकिन यह भी सत्य है कि हर सफलता का कारण भी निर्विघ्न कोशिश ही होती हैं। ध्यान रहे कि दूसरों पर भरोसा करते समय होशियार रहिएगा, क्योंकि देखने में फिटकरी और मिश्री दोनों एक जैसे ही नज़र आते हैं।

'सादा जीवन और शांत मन आपस में जिगरी दोस्त हैं'

मीठा झूठ बोलने से लाख गुणा बेहतर है कि कड़वा सच बोल दिया जाए। ऐसा करने पर हमें सच्चे दुश्मन भले ही मिल जाएंगे, परन्तु झूठे दोस्तों से मुक्ति मिल जाएगी। पुरानी कहावत है कि 'जाहिल के साथ तख्त पर बैठने से बेहतर है, किसी ज्ञानी के साथ फर्श पर बैठ जाना'।।

ध्यान रहे कि क्रोध, पछतावे, चिंता और कुढ़न में अपना समय बर्बाद न करें। यह जीवन दुखी होने के लिए बहुत छोटा है। परंतु यदि खुश और मस्त रहें तो इस जीवन में सुख भी अपरम्पार मिलते हैं।

परमात्म ऊर्जा

वर्तमान समय चारों ओर के पुरूषार्थियों के पुरूषार्थ में मुख्य दो बातों की कमज़ोरी व कमी दिखाई देती है, जिस कमी के कारण जो कमाल दिखानी चाहिए वह नहीं दिखा पाते, वह दो कमियां कौन-सी हैं? एक तरफ अभिमान, दूसरी तरफ है अनजानपन। यह दोनों ही बातें पुरूषार्थ को ढीला कर देती हैं। अभिमान भी बहुत सूक्ष्म चीज़ है। अभिमान के कारण कोई ने ज़रा भी कोई उन्नति के लिए इशारा दिया तो सूक्ष्म में न सहनशक्ति की लहर आ जाती है व संकल्प आता है कि यह क्यों कहा? इसको भी अभिमान सूक्ष्म रूप में कहा जाता है। कोई ने कुछ इशारा दिया तो उस इशारे को वर्तमान और भविष्य दोनों के लिए उन्नति का साधन समझकर उस इशारे को समा देना व अपने में सहन करने की शक्ति भरना – यह अभ्यास होना चाहिए। सूक्ष्म में भी वृत्ति व दृष्टि में हलचल मचती है- क्यों, कैसे हुआ? इसको भी देही अभिमानी की स्टेज नहीं कहेंगे। जैसे महिमा सुनने के समय वृत्ति व दृष्टि में उस आत्मा के प्रति स्नेह की भावना रहती है, वैसे ही अगर कोई शिक्षा का इशारा देते हैं तो उसमें भी उसी आत्मा के प्रति ऐसे ही स्नेह की, शुभचिन्तक की भावना रहती कि यह आत्मा मेरे लिए बड़ी से बड़ी शुभचिन्तक है, ऐसी स्थिति को कहा जाता है देही अभिमानी। अगर देही अभिमानी नहीं हैं तो दूसरे शब्दों में अभिमान कहेंगे। इसलिए अपमान को सहन नहीं कर पाते। और दूसरे तरफ है बिल्कुल अनजान, इस कारण भी कई बातों में धोखा खाते हैं। कोई अपने को बचाने के लिए भी अनजान बनता है, कोई रियल भी अनजान बनता है। तो इन दोनों बातों के बजाए स्वमान जिससे अभिमान बिल्कुल खत्म हो जाए और निर्माण, यह दोनों बातें धारण करनी हैं। मन्सा में स्वमान की स्मृति रहे और वाचा में, कर्मणा में निर्माण अवस्था रहे तो अभिमान खत्म हो जाएगा। फिलॉस्फर हो गए हैं लेकिन स्पिरिचुअल नहीं बने हैं अर्थात् यह स्पिरिट नहीं आई है तो जो आत्मिक स्थिति में, आत्मिक खुमारी में रहते हैं- इसको कहा जाता है स्पिरिचुअल। आजकल फिलॉस्फर ज्यादा दिखाई देते हैं, स्पिरिचुअल पॉवर कम है। स्पिरिट एक सेकण्ड में क्या से क्या कर दिखा सकती है! जैसे जादूगर एक सेकण्ड में क्या से क्या कर दिखाते हैं, वैसे स्पिरिचुअलिटी वाले में भी कर्त्तव्य की सिद्धि आ जाती। उनमें हाथ की सिद्धि होती है। यह है हर कर्म, हर संकल्प में सिद्धि स्वरूप। सिद्धि अर्थात् प्राप्ति। सिर्फ प्वाइंट्स सुनना-सुनाना- इसको फिलॉसफर कहा जाता है। फिलॉसफी का प्रभाव अल्पकाल का पड़ता है, स्पिरिचुअलिटी का प्रभाव सदा के लिए पड़ता है। तो अभी अपने में कर्म की सिद्धि प्राप्त करने के लिए रूहानियत लानी है। अनजान बनने का अर्थ है कि जो सुनते हैं उसको स्वरूप तक नहीं लाते हैं। योग्य टीचर उसको कहा जाता है जो अपने शिक्षा स्वरूप से शिक्षा देवे। उनका स्वरूप ही शिक्षा सम्पन्न होगा। उनका देखना-चलना भी किसको शिक्षा देगा। जैसे साकार रूप में कदम-कदम, हर कर्म शिक्षक के रूप में प्रैक्टिकल में देखा। जिसको दूसरे शब्दों में चरित्र कहते हो। किसको वाणी द्वारा शिक्षा देना तो कॉमन बात है लेकिन सभी अनुभव चाहते हैं। अपने श्रेष्ठ कर्म, श्रेष्ठ संकल्प की शक्ति से अनुभव कराना है।

ज्ञान रतन हैं...ये केवल इनसे सीखा

इन सारी बातों से खुद को हटाना। ये चीज़ें न देखना, न सुनना, न उसपर बात करनी। तो एक वायब्रेशन से, एक छोटी-सी बात से इतना कुछ समझने और सीखने को मिल गया जोकि हम पढ़ के भी नहीं समझ पाते थे।

सर्व प्रथम परमात्मा के घर का अनुभव इसको हम पहला अनुभव भी कहें तो कोई बड़ी बात नहीं है। जैसे हम सभी डायमंड हॉल में जाते हैं और परमात्मा के महावाक्य चल रहे होते हैं, उसमें जो कुछ भी सुनाया जा रहा होता है तो उस समय हम सब उतना ज्याद़ा उस बात को नहीं समझ पाते क्योंकि नये-नये होते हैं। और शुरू की बात है उस समय की जो स्थिति होती है उस समय वो बात समझ नहीं आ रही होती तो हमें लगता है कि क्या है! लेकिन जैसे ही आप धीरे-धीरे इस ज्ञान को समझने लग जाते हैं तो उस ज्ञान को समझने के बाद उसको अन्दर उतारने के लिए उसके मनन-चिंतन की अति आवश्यकता होती है। तो हमारा अनुभव दादी जी के साथ यही है कि जब हम सभी भट्टी में समर्पित भाईयों की जाते थे तो उस समय दादी जी की क्लासेज होती ही थी निश्चित रूप से दो से तीन लगभग, तो उसमें दादी एक-एक चीज़ की, बाबा के साथ प्यार की गहराई का अनुभव कैसे करें उसके लिए मनन-चिंतन सुनाते थे। तो हम सबके अन्दर जो प्रश्न होता है कि हमें बाबा की याद इतनी क्यों नहीं आती? या हम इतना ज्याद़ा बाबा के साथ जुड़ क्यों नहीं पाते? जैसा दादी जुड़े। तो उसमें एक बार प्रश्न-उत्तर का एक सैशन रखा था और दादी से प्रश्न पूछा जा रहा था। तो उसमें किसी ने पूछा कि दादी जब हम योग में बैठते हैं तो कई बार या स्वप्नों में भी हमको गंदे या थोड़ा-सा जो चित्र नहीं आने चाहिए वो भी आते हैं, तो इसका कारण क्या है? तो दादी को ये बात समझ ही नहीं आई, इसका मतलब ये है कि उनका जो फेस था, फेस का जो वायब्रेशन था ऐसा कि गंदे चित्र! ये क्या होते हैं?

कहने का मतलब है कि उस दिन ये बात रियलाइज़ हो गई कि जिन्होंने बचपन से ही अपनी इंद्रियों को सम्भाला, अपने आप को परमात्मा के साथ रखा और ऐसे माहौल में पले-बढ़े, ऐसी आध्यात्मिक यात्रा की कि जिसमें इन सारी चीज़ों में उनका कोई वास्ता ही नहीं रहा। केवल ज्ञान, योग और कुछ नहीं। परमात्मा का साथ और कुछ नहीं। ये है परमात्मा से योग लगने और लगाने का तरीका। उस दिन ये बात अच्छे से ज़हन में उतर गई कि हम अच्छे से प्रयास करते हैं, आज की दुनिया में हम सब देखें कि कितना कुछ है देखने के लिए और कितना अनर्गल चीज़ें हैं, जो हमारे सामने आती हैं और उनको देखते हैं। भले वो चित्र इतने गंदे नहीं हैं लेकिन फिर भी उन चित्रों के वायब्रेशन तो हैं। जिसमें बाबा मिसिंग है, और-और बातें मिसिंग हैं, दुनियावी बातें हैं। तो आप सोचो कि हमारा कनेक्शन कैसे होगा? तो उस दिन के बाद जो मनन-चिंतन का दौर चला, जो चेंज हुआ वो आज तक भी उन्नति करवा रहा है, स्थिति बदल गई, कैसे योग करना है उसके लिए पहले रिमूव करना है। इन सारी बातों से खुद को हटाना। ये चीज़ें न देखना, न सुनना, न उसपर बात करनी। तो एक वायब्रेशन से, एक छोटी-सी बात से इतना कुछ समझने और सीखने को मिल गया जोकि हम पढ़ के भी नहीं समझ पाते थे। दूसरा, उसी के साथ एक अनुभव है कि कोई एक सन्यासी आये थे जिन्होंने बोला कि दादी मैं चाहता हूँ कि आप 120 साल भी रहें। तो उन्होंने कहा जैसा बाबा चाहे, जैसा परमात्मा चाहे। कहने का मतलब है कि किसी सामने वाले के कहने से परमात्मा की बात, और ज्ञान की गहराई न भूलना ये सबसे बड़ी कला है। मतलब चाहे कोई कितना भी साधक है, साधु है, संत है वो अपनी बात अपने भाव से हमको कहता है लेकिन हम उसके प्रभाव में आते हैं, लेकिन दादी कभी भी किसी के प्रभाव में नहीं थी, एक के प्रभाव से प्रभावित थी और वो भी परमात्मा के। तो ऐसी दादी रत्नों की खान कैसे थीं अब वो बात समझ में आई थी। क्योंकि दिन-रात रतन सुन रहा है, रतन ही बोल रहा है, रतन ही अपने अन्दर धारण कर रहा है। ऐसे रत्नों की खान दादी रतनमोहिनी जी ने हम सबको रत्नों से पाला है। तो मेरा ये पर्सनल अनुभव है कि दादी जी ने हमें मनन-चिंतन करना सिखाया। जीवन को कैसे जिया जाये और उसमें कुमार जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिए और क्या विधियां हैं, कैसे खुद को बिज़ी रखा जाये। अलग-अलग तरीके बताये और आज भी वो हमारे साथ ज़हन में चलते हैं। तो ऐसी हमारी परमआदरणीया, परमश्रद्धेय दादी जी को अति-अति-अति विशेष रूप से श्रद्धा सुमन।

जिस रास्ते जाना नहीं उसकी राह पूछने से क्या लाभ...!

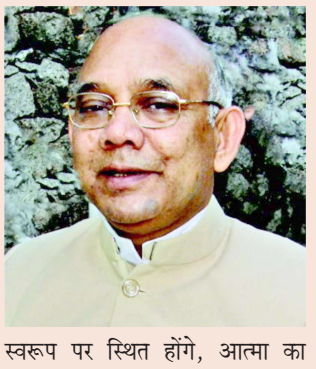

प्रतिज्ञा करें भगवान से कि किसी भी कीमत पर इस पथ से हम विचलित नहीं होंगे। माया तो चारों ओर है। गन्दी चीजें दिखाई भी बहुत देती हैं, इलेक्ट्रॉनिक्स के साधन भी पतन का बहुत बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। लेकिन हिन्दी में एक कहावत है- जिस पेड़ के आम नहीं खाने उसके पत्ते गिनने से क्या लाभ!

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि योग की ओर मन खींचने लगे तो समझो हमने बहुत कुछ पा लिया है। फिर तो हम बाबा के पास जाकर बैठेंगे और बाबा से उसके सम्पूर्ण वायब्रेशन्स हमको मिलते रहेंगे। वायब्रेशन्स के रूप में उसके सर्व खज़ाने आत्मा में समाते हैं। चाहे सुख हो, शान्ति हो, पवित्रता हो, खुशी हो, उसका प्रेम हो, शक्तियां हो, उसकी दुआएं हो सब वायब्रेशन्स के रूप में ही आत्मा में समाती रहती हैं। बहुत अच्छा होगा यदि आप ये अभ्यास कर लें। अब आगे पढ़ेंगेष्ठ पुराने भी हैं जो ढीले हो गए हैं। उनको भी ये अभ्यास कर लेना चाहिए। और पुराने में भी और तेज चलना चाहते हैं, समय की नाजुकता को जो समझते हैं उन्हें भी 4 बार 10-10 मिनट अवश्य बैठना चाहिए। कई भाई-बहनें ये कर रहे हैं, हमारे समर्पित भाई-बहनें भी करते हैं। जब भी टाइम मिलता है कहीं भी, बाबा के बहुत सारे रूम, मेडिटेशन रूम बने हुए हैं, कहीं भी बैठकर अच्छा योग करते हैं। योग करने में हमें 10 मिनट के लिए ये लक्ष्य ले लेना चाहिए। जैसे इस बार हम 10 मिनट पांच स्वरूपों का अभ्यास करेंगे, इस बार हम दस मिनट आत्मा के स्वरूप पर स्थित होंगे, आत्मा का चिन्तन करेंगे। इस बार 10 मिनट में हम परमधाम में बाबा के साथ जाकर बैठेंगे, फिर सूक्ष्म वतन में बापदादा के सामने जाकर दृष्टि लेंगे, बातें करेंगे। ऐसे एक लक्ष्य लेकर योग करने से हम उस ड्रिल में व्यस्त होंगे और बुद्धि भटकेगी नहीं। ये सभी के लिए बहुत-बहुत आवश्यक है। आगे जाना है, आप अभी-अभी आये हैं। अच्छी तरह जानते हैं प्रभु मिलन के लिए पवित्रता पहली शर्त है। जो पवित्र नहीं वो भगवान को प्रिय भी नहीं और वो योगी भी नहीं बन सकते हैं। क्योंकि इसके पीछे राज़ ये है कि योग में बुद्धि को स्थिर करने के लिए परमात्म स्वरूप पर, बुद्धि का बहुत डिवाइन और शक्तिशाली होना आवश्यक है। और यदि कोई विषय विकारों में है तो उसकी शक्तियां नष्ट होती रहती हैं और उसकी बुद्धि स्ट्रॉन्ग नहीं हो पाती। ब्रह्मचर्य का जो आधार इसको बनाया गया है उसका कारण यही है कि पवित्रता की शक्ति ब्रेन को डिविनाइज करे, दिव्य करे, शक्तिशाली करे ताकि वो स्थिर हो सके। कमज़ोर बुद्धि स्थिर नहीं हो सकती। तो पहली धारणा पवित्रता।

प्रतिज्ञा करें भगवान से कि किसी भी कीमत पर इस पथ से हम विचलित नहीं होंगे। माया तो चारों ओर है। गन्दी चीज़ें दिखाई भी बहुत देती हैं, इलेक्ट्रॉनिक्स के साधन भी पतन का बहुत बड़ा कारण बनते जा रहे हैं। लेकिन हिन्दी में एक कहावत है- जिस पेड़ के आम नहीं खाने उसके पत्ते गिनने से क्या लाभ! तो जिस मार्ग पर हमें चलना नहीं है उसकी चीज़ें क्यों हम देखें! हम इम्प्युर फिल्में, गन्दी चीज़ें जो आती हैं व्हाट्सएप्प पर, फेसबुक पर, यूट्यूब पर उन्हें हम क्यों देखें? लक्ष्य बना लें, अपने को टीच करें (अपने को पढ़ायें) ये हमारा मार्ग नहीं है। ठीक है दुनिया में गन्दगी ही गन्दगी है, इसी को जीवन मान लिया है सबने। लेकिन हमारा ये मार्ग नहीं है। ऐसी स्वयं से बातें करते हुए प्युरिटी को स्ट्रॉन्ग करें। हमें उधर देखना ही नहीं है, उसके लिए सोचना ही नहीं है, जिस मार्ग पर हमें जाना नहीं है, भगवान को वचन दे दो- हम सम्पूर्ण पवित्र बनकर तुम्हारे महान कार्य को सफल करेंगे। और भगवान को एक बार वचन दे दिया तो उसे वापिस नहीं लेंगे। कुछ भी करना पड़े, साथियों को समझा दो कि भगवान को वचन दे दिया हमने, हम सब कुछ छोड़ने को तैयार हैं पर पवित्रता का पथ नहीं छोड़ेंगे।

ये ईश्वरीय पथ है, ये प्रभु मिलन का मार्ग है। भगवान को खोजने का मार्ग नहीं, इसमें निरन्तर प्रभु मिलन का सुख हम प्राप्त कर सकते हैं, अतिन्द्रिय सुखों में रमण कर सकते हैं। ऐसा यदि आप करेंगे तो आप बहुत आगे चले जायेंगे।

राजधानी में यह कैसा सफाई अभियान, जगह-जगह जमा है कूड़ों का ढेर

राकेश कुमार, संवाददाता

नई दिल्लीः राजधानी दिल्ली में मेगा सफाई अभियान चल रहा है, इसके बावजूद दिल्ली के कई इलाकों में जमा कूड़े का ढेर इस अभियान की गंभीरता पर सवाल खड़ा कर रहा है. पूर्वी दिल्ली के निर्माण विहार स्थित प्रमुख व्यावसायिक केंद्र में समत इस उपमीनार के पास मीना से कूड़े का ढेर पड़ा है. दिल्ली में चल रही मेघा सफाई अभियान में भी निगम कर्मचारी इस पर आंखें मूंदे बैठे हैं.

सड़क किनारे कूड़े का ढेरः स्थानीय लोगों ने स्कोप मीनार के पास सड़क किनारे कूड़े का ढेर पड़ा है. क्षेत्र के लोग यहां पर कूड़ा और मलवा फेंकते हैं लेकिन इस और किसी का ध्यान नहीं है. लोगों ने बताया कि कूड़े के ढेर से निकलने वाली बदबू से उन लोगों का सड़क से गुजरना दूभर है. कूड़े की ढेर की वजह से सड़क पर जाम के हालात भी बनते हैं लेकिन शिकायत के बावजूद इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है.

रेड लाइट के किनारे मालवे और कूड़े का ढेरः इसके अलावा मधु विहार इलाके के शनि मंदिर रेड लाइट के किनारे मालवे और कूड़े का ढेर लगा रहता है. प्रीत विहार रेलवे पुल पर तो सालों से लोग मालवा डाल रहे हैं. रोजाना यातायात बाधित रहता है लेकिन निगम इस पर रोक लगाने पर विफल साबित हो रहा है.

वही हाल टेल्को फ्लाईओवर के पास का है. टेल्को फ्लाईओवर के पास जगह-जगह कूड़े और मलबे का ढेर लगा रहता है, जिसे उठाकर तो निगम खानापूर्ति कर लेता है लेकिन इसे रोकने के लिए निगम के पास कोई प्लान नहीं है. इसके अलावा आईपी एक्सटेंशन, आनंद विहार, जल बाजार इलाके में भी कई जगह पूरे और मलबे का ढेर लगा हुआ है. वही इस मामले को लेकर MCD शाहदरा साउथ के अध्यक्ष संदीप कपूर का कहना है कि संबंधित कर्मचारियों को दिशा निर्देश देकर इसे तुरंत हटाया जाएगा.

सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ फोटो लगाना पड़ा महंगा, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

राकेश कुमार, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्व जिले के गोकुलपुरी इलाके में व्हाट्सएप स्टेटस पर अवैध हथियार के साथ फोटो लगाना एक युवक को भारी पड़ गया. सूचना मिलते ही हरकत में आई गोकुलपुरी थाने की पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पकड़े गए आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं.

उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोकुलपुरी के संजय कॉलोनी निवासी 23 वर्षीय विजय के तौर पर हुई है.

व्हाट्सएप स्टेटस पर अवैध हथियारः डीसीपी ने बताया की विजय ने 12 मई को अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर देसी कट्टे के साथ अपनी तस्वीर साझा की थी. इस संबंध में सूचना ‍व क्लस्टर समिति के एक सतर्क सदस्य ने गोकुलपुरी थाने को दी. सूचना मिलते ही एसीपी गोकुलपुरी के देखरेख में इंस्पेक्टर परवीन कुमार, एसएचओ गोकुलपुरी, के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई. टीम में हेड कॉन्स्टेबल्स अनिल, अनुज व सिपाही रोहित, प्रवीन और हितेश को शामिल किया गया. टीम ने क्षेत्र में तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया और आरोपी को गोकुलपुरी के डी-ब्लॉक पार्क से धर दबोचा.

आरोपी के पास से एक देसी कट्टा और दो दिन का कारतूस बरामद हो गया है. पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है. साथ ही उसने अवैध हथियार की प्राप्ति के स्रोत के बारे में भी जानकारी दी, जिसकी पुष्टि की जा रही है. पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी विजय पूर्व में एक लूट के मामले में भी शामिल रहा है.

फिलहाल, आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर जांच जारी है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि यह हथियार आरोपी को किस माध्यम से और किस उद्देश्य से प्राप्त हुआ. गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर ‍व क्लस्टरों में अपराध पर लगाम कसने, उभरते अपराधियों की पहचान करने और अवैध गतिविधियों की निगरानी के उद्देश्य से ‍व क्लस्टर समितियों का गठन किया गया है. इन समितियों में स्थानीय नागरिकों को शामिल किया गया है, जो अपने क्षेत्रों में अपराध की जानकारी पुलिस तक पहुंचाते हैं.

कबीर नगर में चाकू और उस्तरे से हमला हमला करने वाले पिता-पुत्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार

राकेश कुमार, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। उत्तर-पूर्वी जिले के थाना वेलकम क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक सनसनीखेज मामले का दिल्ली पुलिस ने खुलासा करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया चाकू, उस्तरा और खून से सनी शर्ट बरामद की गई है. उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी ने बताया की गिरफ्तार आरोपी की पहचान साकिब और शहजाद के तौर पर हूई है.

डीसीपी ने बताया कि 12 मई को कबीर नगर इलाके में साकिब नामक युवक ने अपने पिता शहजाद के साथ मिलकर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया. हमले में नासिर गंभीर रूप से घायल हुआ है. जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

डीसीपी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही थाना वेलकम की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया. फॉरेंसिक टीम और जिला अपराध टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया. जांच के दौरान मौके से खून से सना चाकू बरामद हुआ. हत्या के प्रयास तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की.

ACP भजनपुरा विवेक त्यागी के निर्देशन और थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर रूपेश खत्री के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें एसआई योगेश कुमार, पीएसआई उक्लेश यादव और कांस्टेबल विनोद शामिल थे.

पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच और स्थानीय मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर दोनों आरोपियों को धर दबोचा. गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद शहजाद (उम्र 55) और उसके बेटे मोहम्मद साकिब (उम्र 19.5) के रूप में हुई है.

पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि मोहम्मद साकिब नाई का काम करता है और घटना से पहले उसकी पीड़ित नासिर से कहासुनी हुई थी. इसी रंजिश में उसने अपने पिता को बुलाया और दोनों ने मिलकर नासिर पर चाकू और उस्तरे से हमला कर दिया. साकिब की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल उस्तरा भी बरामद किया गया है. फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस हमले के पीछे कोई और कारण या साजिश भी शामिल थी या नहीं.

2020 के दिल्ली दंगों के दौरान एक हत्या के मामले में 12 आरोपी बरी, एक दोषी करार

ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। साल 2020 में पूर्वी दिल्ली का एक हिस्सा दंगों की आग में झुलस रहा था। उस समय यहां के गोकलपुरी इलाके में 26 फरवरी 2020 को दंगों में आमिर अली नाम के एक युवक की हत्या हुई। उसी आमिर अली की हत्या के मामले आज कड़कड़डूमा कोर्ट ने 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। एक आरोपी लोकेश को दंगे भड़काने का दोषी पाया गया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

अदालत ने दोषी लोकेश की सजा पर 22 मई को सुनवाई करने का निर्णय लिया है। बता दें कि दंगे के दौरान आमिर अली की हत्या के बाद उसके शव को भागीरथी विहार नाले के पास पुलिया के नीचे फेंका गया था।

कोर्ट की इस कार्रवाई को दिल्ली दंगा मामले में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। क्योंकि इससे दंगे के दौरान हुई हिंसा और हत्या के मामले में न्यायिक प्रक्रिया की प्रगति का पता चलता है।

सफाई निरीक्षक वार्ड 207 विश्वास नगर के कार्यालय से हुआ आई फोन चोरी

ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। दिल्ली नगर निगम के शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र वार्ड संख्या 207 विश्वास नगर के कार्यालय से यूनियन नेता सुरेन्द्र हडाले का आई फोन चोरी ।

हांडाले ने बताया के उनके वार्ड में जोन के उपायुक्त महोदय का निरीक्षण किया गया था। उस में वो भी अपने वार्ड के कार्यों के देख रहे थे। कुछ समय बात वो अपने कार्यालय में आए और अपना फोन चार्ज में लगा कर ऑफिस में बताकर खाना खाने चले गये। जब वापस आए तो कार्यालय में हाड़ाले का फोन नहीं था। उन्होंने बताया ये गलत है। कुछ अज्ञात लोगों का अक्सर मेरे कार्यालय में आना जाना लगा रहता है । लेकिन उसके साथ-साथ कार्यालय में जो स्टाफ होता है। उनको इन चीजों का ध्यान रखना चाहिए।

पूर्वी दिल्ली और गाजियाबाद के लोगों के लिए खुशखबरी, खुलने जा रहा हाइवे

एजेंसी

नई दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली के कई ईलाके और गाजियाबाद के लोगों को नया रास्ता मिलने जा रहा है। इससे निजामुद्दी 15 मिनट में अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। महीने के अंत तक इस हाईवे को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। NHAI के अधिकारी के मुताबिक इसका ट्रायल शुरु हो चुका है जो थोड़ी बहुत सुधार की गुंजाइश थी , उन्हें पूरा करके ट्रैफिक सुचारू सूचारू रुप से चालू कर दिया जाएगा। सड़क परिवहन मंत्रालय के मुताबिक दिल्ली-देहरादून 212 ख्श ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे दिल्ली के अक्षरधाम से शुरु होकर खेकड़ा, शामली सहारनपुर होकर देहरादून तक बन रहा है। अक्षरधाम से ईपीईक्रॉसिंग तक 31.6 ख्श के शुरुआती हिस्से में काम पूरा हो चुका है।

इन इलाकों को फायदा : इस एक्सप्रेसवे के खुलने से कई इलाकों को फायदा होने वाला है। इससे शुरु होने के बाद गीता कालोनी, वजीराबाद, सोनिया विहार, यमुना विहार, शास्त्री पार्क, मुस्तफाबाद, करावल नगर के अलावा गाजियाबाद के लोनी और शामली, बागपत की तरफ जाने वालों को राहत मिलेगी। भयंकर ट्रैफिक के कारण इन लोगों को पुश्ता रोड से या फिर सीलमपुर होते हुए जाना पड़ता है।

15 मिनट में पहुंचा जा सकेगा बार्डर : हाईवे के शुरु होने क बाद से वाहन चालकों का काफी समय बचेगा। क्योंकि हाइवे शुरु होने पर बॉर्डर पहुंचने में सिर्फ 15 मिनट का ही समय लगेगा। निजामुद्दीन से दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे से अक्षरधाम तक आएंगे। इसके बाद दिल्ली देरहादून एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे से होते हुए बॉर्डर और इसके आसपास के इलाकों में आसानी से पहुंचा जा सकता है।

बीचबचाव करने पर नर्सिंग छात्र को चाकू मारा

एजेंसी

नई दिल्ली।। उत्तर पूर्वी दिल्ली के नंदनगरी इलाके में नर्सिंग छात्र को दो लड़कों के झगड़े में बीचबचाव करना भारी पड़ा। विवाद कर रहे लड़कों में से एक के भाई ने छात्र की गर्दन पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, 18 वर्षीय जुनैद सुंदर नगरी में रहता है। वह ताहिरपुर स्थित राजीव गांधी अस्पताल से नर्सिंग की पढ़ाई कर रहा है। 10 मई की रात करीब 9:30 बजे वह टहलने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान उसके पड़ोस में रहने वाले दो लड़के शाहबाज और फैज आपस में झगड़ा करते दिखे।

जुनैद ने उन्हें समझा ही रहा था कि तभी फैज का भाई सलमान वहां आ गया और पीड़ित के गले पर चाकू से हमला कर फरार हो गया।

दो साल से दोस्ती, मामूली कहासुनी पर चलाई गोली; युवक के मुंह में जा फंसी; और फिर...

एजेंसी

लोनी। कोतवाली क्षेत्र में चिरोड़ी गांव पेट्रोल पंप के पास मंगलवार रात यमुना सिटी कॉलोनी के युवक को पड़ोसी ने गोली मार दी। गोली युवक के मुंह में फंस गई। युवक का दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घायल की पत्नी ने पड़ोसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ शुरू कर दी है। चिरोड़ी गांव के पास यमुना सिटी कॉलोनी में रहमत आलम परिवार समेत पिछले दो वर्ष से रह रहे हैं। रहमत आलम का भोपुरा में फर्नीचर बनाने का काम है। उनके पड़ोस में ही अमित कुमार रहते हैं। वह माल वाहक वाहन पर चालक हैं। दोनों दो

वर्ष से दोस्त हैं। मंगलवार रात को दोनों भोपुरा से कार में एक साथ आ रहे थे।

घटना के बाद मौके से फरार हुआ आरोपी : करीब साढ़े दस बजे दोनों चिरोड़ी गांव में पेट्रोप पंप के पास पहुंचे जहां दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इस कदर बढ़ा कि अमित ने तमंचा निकालकर रहमत आलम पर गोली चला दी। गोली उनके मुंह में लगी। वह लहूलुहान होकर गिर गए। आरोपित मौके से फरार हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल ले जाया गया। जहां से दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। घायल की पत्नी नेहा की ओर से अमित के खिलाफ लोनी कोतवाली में तहरीर दी गई। पुलिस ने उनकी शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आरोपित को लिया हिरायत में, कर रहे हैं पूछताछ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बुधवार दोपहर में आरोपित अमित को हिरासत में ले लिया। पुलिस को अभी आरोपित के पास से घटना में प्रयुक्त तमंचा बरामद नहीं हुआ है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। जिससे घटना के बारे में पता चल सके।

लोनी डिपो ने शुरू की दिल्ली के लिए रात्रि सेवा

गाजियाबाद।। शाम के समय दिल्ली जाने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। गाजियाबाद के लोनी डिपो ने दिल्ली-बिल्सी वाया इस्लामनगर, संभल, गजरौला, बहजोई मार्ग पर रोडवेज बस सेवा शुरू की है। इससे नगर के लोगों में खुशी का माहौल है। लंबे समय से यातायात सुविधाओं की कमी झेल रहे यात्रियों को अब रात में भी दिल्ली के लिए सुगम यात्रा की सौगात मिली है। इससे क्षेत्र के व्यापारियों को सीधे लाभ मिलेगा।

लोनी डिपो के एआरएम राजेश कुमार ने बताया कि उक्त बस रोजाना लोनी डिपो से सुबह 11 बजे चलेगी। यहां दिल्ली के भजनपुरा, सीलमपुर, सीमापुर होते हुए आनन्द बिहार बस स्टैंड पर पहुंचेगी। उसके बाद गजरौला, संभल, बहजोई, इस्लामनगर होते हुए शाम साढ़े पांच बजे बिल्सी पहुंचेगी। जब तक बिल्सी का स्टैंड का निर्माण पूरा नहीं हो जाता तब तक उक्त बस नगर की गल्ला मंडी में ठहरेगी। यहां से रात को आठ बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी। फिर अगले दिन इसी रूट से बिल्सी को आएगी। इस बस सेवा के शुरू होने पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला अध्यक्ष सुधीर सोमानी, जिला महामंत्री लोकेश वार्ष्णेय, डॉ. राजाबाबू वार्ष्णेय, दीपक चौहान, अमित वार्ष्णेय, लवकुमार वार्ष्णेय, सुरेश गुप्ता, प्रवीण वार्ष्णेय, राहुल वार्ष्णेय, नवरत्न वार्ष्णेय, संजीव वार्ष्णेय आदि ने खुशी जाहिर की है।

हाइटेंशन लाइन का तार गिरने से दो बच्चों समेत चार झुलसे

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के हाईटेंशन लाइन का तार टूट कर खंभे और घरों के कनेक्शन पर गिर गया। करंट से दो महिलाएं और दो बच्चे झुलस गए। केबल समेत बिजली के कई उपकरण फुंक गए। राम पार्क कॉलोनी में तिकोना पार्क के पास विनय कुमार परिवार समेत रहते हैं। उन्होंने बताया कि कुछ दिन बाद पैतृक गांव में शादी समारोह है। इसी के चलते उनकी बहन रीना अपने दो बच्चों दस वर्षीय कन्हैया और आठ माह के राघव के साथ मुंबई से घर आई हैं। सोमवार रात खाने के बाद विनय छत पर सोने चले गए थे, जबकि पत्नी, बहन और बच्चे नीचे कमरे में सो रहे थे।

तड़के करीब साढ़े तीन बजे अचानक हाई वोल्टेज आने से कमरे में लगा पंखा जल गया। तेज आवाज होने के चलते पत्नी अनीता और भांजे कन्हैया की आंख खुल गई। पत्नी एमसीबी गिराने के लिए गैलरी में पहुंची तो वहां करंट की चपेट में आ गई। भांजा उन्हें बुलाने के लिए जीने पर चढ़ने लगा और ग्रिल छूने से उसे भी करंट लग गया। शोर सुनकर बच्चे को बचाने के लिए बहन आठ माह के बेटे को लेकर दौड़ी तो वह भी करंट की चपेट में आ गई। शोर होने पर विनय ने आसपास के लोगों की सहायता से परिजनों को बचाकर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने चारों को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी करने पर पता चला कि हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से हादसा हुआ था। विनय ने बताया कि पड़ोसी के घर में भी केबल समेत कई उपकरण फुंक गए। आसपास के सात से आठ घरों में करंट उतरा था। नाराज लोगों ने प्रदर्शन किया स्थानीय लोगों ने इतना बड़ा हादसा होने पर भी विद्युत निगम के अधिकारियों के मौके पर न पहुंचने का आरोप लगाया। इसके बाद मंगलवार को लोगों ने रामपार्क विद्युत उपकेंद्र पर प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि उपकेंद्र पर मौजूद कर्मचारी भी बिना कुछ जानकारी दिए चले गए। सूचना के बाद पुलिस पहुंची और विभागीय अधिकारियों को बुलाया। अधिकारियों ने नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद लोग शांत हुए। इसके बाद अधिकारियों ने स्थानीय सभासद के साथ इलाके में घर-घर जाकर जायजा लिया। अचानक हाई वोल्टेज करंट से फ्रिज, कूलर, सबमर्सिबल और पंखे समेत अन्य उपकरण फुंक गए। वोल्टेज इतना तेज था कि घर की अंडरग्राउंड वायरिंग के तार भी जल गए। - अर्जुन, स्थानीय निवासी विद्युत सुरक्षा निदेशालय को सूचना भेजकर लोगों के नुकसान के आकलन कराया जाएगा। इसके बाद विद्युत निगम की ओर से लोगों की सहायता की जाएगी। - सचिन कुमार, अधिशासी अभियंता, रूपनगर

तेज रफ्तार बस की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित आवास विकास कार्यालय के सामने दिल्ली सहारनपुर रोड पर एक बस ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जिला बागपत गांव घिटोरा निवासी 34 वर्षीय गौरव ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित निजी फैक्टरी में नौकरी करते थे। उनके भाई योगेश ने बताया कि प्रतिदिन की तरह गौरव बुधवार सुबह घर से नौकरी के लिए साइकिल पर जा रहे थे। जब वह आवास विकास कार्यालय के सामने दिल्ली सहारनपुर रोड पर पहुंचे तो पीछे से तेज गति में आ रही बड़ौत डिपो की बस ने साइकिल में टक्कर मार दी।

जिससे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि घटना के बाद चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि बस को कब्जे में लिया गया है। मृतक के परिजन की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर फरार चालक की तलाश की जा रही। है।

दो भाइयों के बीच हो रही थी मारपीट, मामला शांत कराने गई पुलिस टीम पर हमला

एजेंसी

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र के राहुल गार्डन बुद्ध बाजार में बुधवार रात को दो भाइयों में मारपीट हो गई। सूचना पाकर पीआरवी पर तैनात दो पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचकर बीच बचाव करने लगे। दोनों भाइयों ने पुलिसकर्मियों पर ही हमला कर दिया। इसमें वर्दी फट गई। पुलिस ने एक आरोपित को दबोच लिया। दूसरा आरोपित मौके से भाग गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर तलाश में जुटी है।

पुलिस को मिली मारपीट की सूचना : पुलिस के मुताबिक, बुधवार रात को सूचना पीआरवी को एक महिला ने सूचना दी कि लोनी बार्डर थाना क्षेत्र के राहुल गार्डन में दो भाई राजकुमार उर्फ राजू और जयकुमार उर्फ कालू में मारपीट हो रही है।

पीआरवी पर तैनात हेड कांस्टेबल आफताब और कॉन्स्टेबल रविंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। झगड़ा कर रहे दोनों भाइयों का बीच बचाव करने लगे। दोनों आपस में विवाद करते हुए उग्र हो गए। पुलिसकर्मियों पर ही उल्टा हमला कर दिया। इसमें कांस्टेबल रविन्द्र कुमार घायल हो गए।

दोनों पुलिसकर्मियों को मेडिकल के लिए भेजा : दोनों की वर्दी फट गई। पुलिसकर्मियों ने एक आरोपित जयकुमार को पकड़ लिया। जबकि उसका भाई राजकुमार मौके से भाग गया। पुलिस आरोपित को पकड़कर थाने ले आई। दोनों पुलिसकर्मियों को मेडिकल के लिए भेजा गया।

पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि दो भाइयों के झगड़े की सूचना पर पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मी पहुंचे थे। आरोपितों ने पुलिसकर्मियों पर ही हमला कर दिया।एक आरोपित को हिरासत में ले लिया गया है।

पीड़ित पुलिसकर्मी की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर फरार आरोपित की तलाश की जा रही है।

सर्राफ की दुकान से दिनदहाड़े गहने लूटे

एजेंसी

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थानाक्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े नकाबपोश तीन बदमाशों ने सर्राफ की दुकान में घुसकर चार लाख रुपये के गहने लूट लिए। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है। मंगल बाजार कॉलोनी में रहने वाले हितेश की घर से चंद कदमों की दूरी पर आभूषणों की दुकान है। उनके पिता उमाशंकर वर्मा ने बताया कि सोमवार को वह दुकान पर कारीगर विजय के साथ बैठे थे। हितेश काम से बाहर गया था। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बाइक सवार तीन बदमाश दुकान के पास पहुंचे। तीनों ने कपड़े से चेहरा ढक रखा था।

गली में बातचीत के बाद एक बदमाश दुकान में अंदर आया और सोने का भाव पूछते हुए पिस्तौल तान दी। बदमाश ने पीड़ित के हाथ से सोने की अंगूठी उतार ली। इसके बाद बाकी दोनों बदमाशों ने भी पिस्तौल तानकर उन्हें और कारीगर को चुप रहने की धमकी दी।

बदमाशों ने दुकान की तिजोरी में रखे चांदी के आभूषण के छह डिब्बे, काउंटर में रखे गणेश लक्ष्मी और गिलास आदि सामान लूट लिया। पहले दो बदमाश दुकान से बाहर गए और एक बदमाश पिस्तौल तानकर खड़ा रहा। बदमाश गाली देते हुए दुकान से निकलकर पल्सर बाइक पर बैठकर फरार हो गए। लूट की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित के मुताबिक, बदमाश चार लाख रुपये के गहने लूट ले गए। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने मौका मुआयना कर डीवीआर को कब्जे में लिया। पुलिस की चार टीम बदमाशों की तलाश में जुटी हैं।

गाजियाबाद में व्यापारियों ने तुर्की से आने वाले सेब का आयात किया बंद, बोले– भारत को नहीं पड़ेगा कोई फर्क

गाजियाबाद।। जिले के सेब व्यापारियों ने तुर्की से सेब का आयात बंद करने का फैसला लिया है. बता दें पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत द्वारा की गई पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद, तुर्की द्वारा पाकिस्तान का साथ देने पर, बॉयकॉट तुर्की का नारा जोर पकड़ रहा है. देश भर में लोगों ने तुर्की का बॉयकॉट करने का मन बना लिया है. अब इसी क्रम में गाजियाबाद की साहिबाबाद सब्जी मंडी में सेब व्यापारियों ने तुर्की से आयात होने वाले सेबों का पूरी तरह से बहिष्कार करने का निर्णय लिया है. व्यापारियों का कहना है कि तुर्की ने जिस तरह से आतंकवाद का समर्थन किया है उस वजह से हम तुर्की से आयात होने वाले सभी सामानों का बहिष्कार करेंगे.

व्यापारियों के मुताबिक तुर्की से आयात होने वाले सेब का भारत में कारोबार तकरीबन 1000-1200 करोड़ रूपये के बीच है. व्यापारियों के इस निर्णय से तुर्की सेब बाजारों से गायब हो गया है. वहीं, व्यापारियों के इस निर्णय का अब आम लोग भी समर्थन कर रहे हैं आपको बता दें, तुर्की द्वारा पाकिस्तान के समर्थन में आने के बाद से देश में काफी रोष है. व्यापारियों का साफ कहना है कि भारत ने समय समय पर तुर्की की काफी मदद की है , तुर्की में आए भूकंप के बाद भी भारत से ऑपरेशन के साथ ही तुर्की में रेस्क्यू ऑपरेशन के साथ ही जरूरी सामान भी भेजा था, उसके बावजूद तुर्की ने भारत की पीठ में खंजर घोपने का काम किया है. जो देश आतंकवाद का समर्थन करेगा हम लोग उसके खिलाफ हैं.

भोपाल की बेटी सोनिया दुबे दीवान बनीं भारत की पहली 'सर्टिफाइड इमेज मास्टर'

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

भोपाल। इंडियन स्कूल ऑफ इमेज मैनेजमेंट, मुंबई की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) सुश्री सोनिया दुबे दीवान को एसोसिएशन ऑफ इमेज कंसल्टेंट्स इंटरनेशनल (AICI) द्वारा फिलीपींस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सर्टिफाइड इमेज मास्टर' (CIM) की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया गया है। यह इमेज कंसल्टिंग के क्षेत्र में सर्वोच्च वैश्विक मान्यता मानी जाती है।

इस उपाधि को प्राप्त करने की प्रक्रिया अत्यंत कठिन और दीर्घकालिक होती है, जिसमें उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता, वर्षों का अनुभव और ग्राहकों पर सकारात्मक प्रभाव जैसे कई महत्वपूर्ण मानदंडों को पूरा करना होता है। सोनिया दुबे दीवान यह गौरव हासिल करने वाली न केवल भारत की पहली, बल्कि अब तक की एकमात्र 'सर्टिफाइड इमेज मास्टर' हैं। उल्लेखनीय है कि यह उपाधि अब तक विश्व भर में केवल 21 विशेषज्ञों को ही प्राप्त हुई है।

CIM उपाधि एक तरह से इस क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, पेशेवर प्रतिबद्धता और समाज पर सकारात्मक प्रभाव की पहचान है।

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने सोनिया को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने कहा, 'यह न सिर्फ भोपाल या मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। सोनिया की यह उपलब्धि खासतौर पर छोटे शहरों से आने वाली युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा बनेगी, जो इमेज मैनेजमेंट जैसे उभरते क्षेत्र में करियर बनाना चाहती हैं।'

प्रो. द्विवेदी ने यह भी कहा कि इमेज मैनेजमेंट के माध्यम से हम व्यक्तित्व को निखारकर एक बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में काम कर सकते हैं।

सेंट पिटर्सबर्ग: बी के संतोष दीदी ग्लोबल लिडर अवॉर्ड से सम्मानित

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

सेंट पिटर्सबर्ग, रशियाः सेंट पिटर्सबर्ग में आयोजित ग्लोबल ईकॉनॉमिक फोरम समिट में ब्रिक्स के सदस्य राष्ट्र के प्रतिनिधीयोके ऊपस्थिती में सेंट पिटर्सबर्ग के रिट्रीट सेंटर के डायरेक्टर बी के संतोष दीदी को ग्लोबल लिडर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्लोबल ईकॉनॉमिक फोरम के अध्यक्ष हरिओम मारम, मिस रशिया वालेरिया अमिर, ब्रिक्स के गव्हर्निंग कमिटी मेंबर एन्ड्रयू चिरवा उपस्थित थे । बी के संतोष दीदी के हाथो से भारत से बी के डॉ दीपक हरके तथा अन्य अतिथीयों को ग्लोबल लिडर अवॉर्ड से सम्मानित किया। समिट में बी के डॉ सुवर्णा, बी के विकास को भी ग्लोबल लिडर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। संतोष दीदी ने सभी को संस्था की गतिविधीयो से अवगत कराकर राजयोग का परिचय दिया।

परमेश्वरी माता जी का 35वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

राकेश कुमार, संवाददाता

कृष्णा नगर स्थित ब्रह्माकुमारी सेंटर में परमेश्वरी माता जी का 35वां जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और आध्यात्मिक माहौल में मनाया गया। यह अवसर विशेष इसलिए भी रहा क्योंकि उन्हें ज्ञान में आए हुए पूरे 35 वर्ष हो चुके हैं।

सेंटर की इंचार्ज आदरणीय अनु दीदी, जगरूप भाई, बीके कार्तिक भाई, बीके जीना बहन और क्लास के सभी ब्रह्मा भाई-बहनों ने इस अवसर पर मिलकर भक्ति और सेवा भाव से कार्यक्रम को सफल बनाया। बच्चों ने भी विशेष रूप से इस आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने परमेश्वरी माता जी को शुभकामनाएं दीं और उनके सेवा कार्यों की सराहना की। संपूर्ण वातावरण में शांति, प्रेम और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति हुई।

तृतीय वार्षिक उत्सव एवं 'विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

रतलाम गौरव पैलेस कॉलोनी,मध्य प्रदेश। भाग्योदय भवन के तृतीय वार्षिक उत्सव एवं 'विश्व एकता एवं विश्वास के लिए ध्यान' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भ्राता विशाल शर्मा जी नगर निगम 'एमआईसी सदस्य, स्वास्थ्य एवं ठोस अपशिष्ट प्रभारी', भ्राता राजीव उबी जी अभिभाषक संघ अध्यक्ष रतलाम, भ्राता सतीश तिवारी जी बधिर एवं मंदबुद्धि विद्यालय प्रधानाचार्य, सेवाकेंद्र संचालिका मनोरमा दीदी, बीके प्रकाश भाई जी, भ्राता लोकेंद्र सिंह गेहलोद अभिभाषक संघ सचिव रतलाम, भ्राता राजेंद्र प्रसाद शर्मा जी रिटायर्ड इफ़्को लैबोरेट्री जी.एम.रतलाम, बीके सीमा दीदी, नीलम दीदी, पूजा बहन आरती बहन मंजुला बहन, धर्मा कोठारी।

मुंबई-धारावी: नशाममुक्त भारत अभियान और फ्री हेल्थ चेकअप कॅम्प का हुआ आयोजन

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

मुंबई-धारावी, महाराष्ट्र: ब्रह्माकुमारीज धारावी सेवाकेंद्र और एस.एल. रहेजा हॉस्पिटल के द्वारा दिनांक 4 मई 2025 रविवार को धारावी काला किल्ला म्युनिसिपल स्कूल में नशा मुक्त भारत अभियान और फ्री हेल्थ चेकअप मेडिकल कॅम्प का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथी के रुप में डॉ. अनंत पाटील, डॉ. प्रशांत, सिस्टर हर्षदा, सिदेश सर, हितेश गुरव, अंकित त्रिवेदी, जुलेश शर्मा तथा अन्य रहेजा हॉस्पिटल के डाक्टर्स उपस्थित थे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी राजु बिडकर धारावी पुलिस स्टेशन ,उमेश भाई रहेजा हॉस्पिटल, ब्रम्हाकुमारीज मीरा दीदी ,लता दीदी, रेखा बहन, उज्ज्वला बहन आदि उपस्थित थे।

कहा जाता जहां दवा और दुवा का संगम होता है वहा असंभव भी संभव होता है । इस कार्यक्रम मे. दवा और दुआ अर्थात मेडिसिन और मेडीटेशन का. अनोखा संगम देखने को मिला। इस मेडिकल कॅम्प में शुगर टेस्ट, पीएफटी, ब्लडप्रेशर, बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स), बाल चिकित्सा क्लेफ्ट स्क्रीनिंग,आंखों की जांच, बाल चिकित्सा हृदय स्क्रीनिंग की गई।

इस मेडिकल कॅम्प मे ब्रम्हाकुमारीज के द्वारा माइंड स्पा, सेल्फी पॉइंट,वैल्यू गेम, राजयोग चित्र प्रदर्शनी, व्यसनमुक्ती चित्र प्रदर्शनी रखी गई।

आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन के द्वारा कैसे हम व्यसनों से मुक्ता हो सकते इस बारे में जानकारी दि गई। 1000 से भी अधिक लोगों को इस कार्यक्रम का लाभ मिला।

डस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में मेडिटेशन मेडिसिंस कार्यशाला का आयोजन

यूनिवर्सल मीडिया संवाददाता

अलीराजपुर, मध्य प्रदेश। इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में छात्र-छात्राओं के लिए मेडिटेशन कैसे मेडिसिंस का कार्य करता है कार्यशाला का आयोजन। आज इलेक्ट्रॉनिक साधनों का उपयोग ज्यादा होने के कारण मस्तिष्क कमजोर होता जा रहा है। दैनिक दिनचर्या हमारी जैविक घड़ी के विपरीत होने के कारण शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। अच्छी नींद नहीं होने से शरीर में अच्छे हारमोंस का स्राव नहीं होने के कारण डर, भय ,चिंता, तनाव बढ़ता जा रहा है। मन कमजोर होने से परिस्थितियों छोटी-छोटी बड़ी अनुभव होने लगती है, हमारी याददाश्त शक्ति कमजोर ,सफलता हमारे जीवन से दूर होती जा रही है। यह विचार इंदौर से पधारे जीवन जीने की कला के विशेषज्ञ ब्रह्मा कुमार नारायण भाईने शासकीय औद्योगिक इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट मैं छात्र छात्राओं व स्टाफ के लिए मेडिटेशन कैसे मेडिसिंस का कार्य करता है और हमारे कार्य क्षेत्र में कैसे सफलता प्रदान करता है इस विषय पर संबोधित करते हुए बताया कि मेडिटेशन हमारे मन की चलने वाली स्पीड को कम व शांत करता है। प्रत्येक मिनट होने वाले नकारात्मक विचारों की संख्या को कम करके सकारात्मक संकल्प पैदा होने लगते हैं जिससे हमारे विचारों में शक्ति पैदा होती है। यह शक्ति चारों तरफ एक ऊर्जा में रूपांतरित होती है जो हमारे जीवन के उज्जवल भविष्य के दरवाजे खोल देती है। सफलता में चार चांद लगा देती है ।कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रोफेसर सीताराम ने कार्यक्रम का संचालन किया ।ब्रह्माकुमारी ज्योति बहन ने बताया कि युवाओं को अनेक नसों से दूर रहना चाहिए। आजकल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग ज्यादा होने से पढ़ाई और उसकी गुणवत्ता के ऊपर खराब प्रभाव पड़ रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने खोला एकलव्य भवन, 1500 छात्रों को मिलेगा ये सुविधा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के नए ताहिरपुर परिसर का मंगलवार को औपचारिक उद्घाटन हुआ। पहले दिन इसमें एसओएल की परीक्षाएं आयोजित की गईं। इसमें 350 छात्र शामिल हुए।

शिक्षकों ने सभी छात्रों को टीका लगाकर स्वागत किया। तीन साल से बन रहे इस भवन का नाम 'एकलव्य भवन' रखा गया है। इस परिसर को पूर्वी दिल्ली के छात्रों के लिए एक बड़े शैक्षणिक केंद्र के रूप में विशेष रूप से विकसित किया गया है।

एकलव्य भवन की क्षमता 1500 छात्रों की : करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से बना यह अत्याधुनिक भवन 1.5 एकड़ क्षेत्र में फैला है और इसमें कुल सात मंजिल हैं। एकलव्य भवन की क्षमता 1500 छात्रों की है और यह सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। छात्रों के लिए एयर कंडीशनर लगाए गए हैं।

परिसर में स्मार्ट क्लासरूम, 500 कंप्यूटर की क्षमता वाली कंप्यूटर लैब, मनोविज्ञान प्रयोगशाला और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं हैं। भवन को छात्रों की शैक्षिक जरूरतों और डिजिटल युग की मांगों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

एसओएल निदेशक प्रो. पायल मागो ने कहा, यह केंद्र न केवल शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देगा बल्कि छात्रों को करियर और कौशल विकास के नए अवसर भी प्रदान करेगा। पूर्वी दिल्ली के छात्रों को अब विश्वविद्यालय स्तर की सुविधाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

ग्रीन कैंपस में छात्रों को ऑडियो-विजुअल लैब, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और कक्षाओं की सुविधा मिलेगी। एसओएल में 1.20 लाख से अधिक छात्र नामांकित हैं।

रहस्यमयी पिरामिड

गर्मी से झुलसता रेगिस्तान, सूरज की तपिश से तपता हुआ। दूर क्षितिज पर कुछ नुकीले सिंहासन नज़र आते हैं, मानों रेत के बीच राजाओं का दरबार लगा हो। ये हैं मिस्र के पिरामिड, हज़ारों सालों से रेगिस्तान की कहानियों को अपने सीने में समेटे हुए। आज रात चांद पूरा था और उसकी रोशनी पिरामिडों पर बिखर रही थी। एक युवा पुरातत्वविद, अली, इन प्राचीन संरचनाओं के रहस्य को सुलझाने के जुनून में वहाँ खड़ा था। वह मानता था कि पिरामिडों के अंदर कोई गुप्त कक्ष है, जिसके बारे में दुनिया को अभी तक पता नहीं चला है। अपने साथी ओम के साथ उसने पिरामिड के एक छिपे हुए द्वार को ढूंढ निकाला था। थोड़ी देर हिचकिचाने के बाद, वे दोनों मशाल जलाकर उस अंधेरे द्वार से अंदर चले गए। भीतर का रास्ता संकरा और घुमावदार था। हर कदम पर उन्हें लगता था कि कोई उन्हें देख रहा है। दीवारों पर अजीबोगरीब चित्र बने हुए थे, जिन्हें वे समझ नहीं पाए। काफी दूर चलने के बाद रास्ता एक बड़े कक्ष में खुल गया। कक्ष के बीचों बीच एक सुनहरा ताबूत रखा हुआ था।

अली और ओम सांस रोके ताबूत के पास गए। ताबूत खोलने में उन्हें थोड़ी देर लगी, लेकिन आखिरकार वो पल आ गया। ताबूत के अंदर उन्हें सोने का मुकुट पहने एक फिरौन की मूर्ति मिली। उसके हाथों में एक सोने का पाषाण था,जिसपर अजीब निशान बने हुए थे। पाषाण को ध्यान से देखने पर उन्हें लगा कि ये निशान किसी नक्शे का हिस्सा हैं। शायद ये पिरामिड के किसी गुप्त कमरे का रास्ता बताते हैं। अचानक, कक्ष की दीवारों पर अंकित चित्र चमक उठे और कमरे के फर्श में एक छिपा हुआ द्वार खुल गया। अली और ओम एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराए। रेगिस्तान के राज़ को सुलझाने का सिलसिला अभी तो शुरू हुआ था। अली और ओम उत्सुकता से खुले हुए द्वार से नीचे उतरे। सीढियां उन्हें एक लंबे गलियारे में ले गईं। गलियारे की दीवारों पर मशालों का सहारा लेकर चलते हुए उन्हें मिस्र के देवी-देवताओं के चित्र दिखाई दिए। कुछ दूर चलने के बाद गलियारा एक और कक्ष में खुल गया। यह कक्ष पिछले वाले से बिल्कुल अलग था। चारों तरफ किताबें रखी हुई थीं, जिनके पन्ने किसी अज्ञात भाषा में लिखे हुए थे। कमरे के बीचों-बीच एक मेज पर एक ग्लोब रखा था, जो किसी जादुई क्रिस्टल से बना हुआ लग रहा था। जैसे ही अली ने उस ग्लोब को छुआ, कमरे में रोशनी फैल गई और दीवारों पर नक्शे उभर आए। नक्शे में तारामंडल, नदियां, पहाड़ और कुछ अपरिचित शहर दिखाई दे रहे थे। अली को लगा कि यह कोई खज़ाने का नक्शा हो सकता है। उसी समय, ग्लोब के ऊपर से एक आवाज़ गूंजी। आवाज़ धीमी और गंभीर थी। क्रक्रस्वागत है, खोजियों। क्या तुम प्राचीन मिस्र के ज्ञान को प्राप्त करने के लिए तैयार हो?' अली और ओम चौंक गए। यह फिरौन की आत्मा थी, जो हज़ारों साल बाद भी इस कक्ष की रक्षा कर रही थी। अली ने हिम्मत जुटाकर जवाब दिया, 'हाँ, हम प्राचीन मिस्र के ज्ञान को सीखने और दुनिया के सामने लाने के लिए तैयार हैं।' फिरौन की आत्मा मुस्कुराई, तो लो, यह ज्ञान तुम्हारा है। लेकिन इसे संभालना तुम्हारी जिम्मेदारी है।' फिर अचानक रोशनी कम होने लगी और आवाज़ भी धीमी पड़ गई। आखिरकार, सबकुछ शांत हो गया। अली और ओम ने रेगिस्तान के राज़ को तोड़ दिया था, प्राचीन मिस्र के खज़ाने को ढूंढ लिया था। अब उनके सामने चुनौति थी, इस ज्ञान को समझने और दुनिया के साथ साझा करने की। रेगिस्तान की रात खामोश थी, लेकिन पिरामिड के अंदर खोज जारी थी। अली और ओम, फिरौन की आत्मा से मिले ज्ञान को समझने और उसका अध्ययन करने में लगे थे। उन्होंने प्राचीन भाषाओं के विशेषज्ञों और इतिहासकारों की मदद ली। धीरे-धीरे, उन नक्शों और चित्रों का रहस्य खुलने लगा। उन्होंने जाना कि नक्शे मिस्र के विभिन्न खज़ाने और गुप्त स्थानों को दर्शाते हैं। कुछ नक्शे तो ऐसे भी थे जो गुप्त सुरंगों और भूमिगत कक्षों का रास्ता बताते थे। अली और ओम ने अपनी खोज जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने मिस्र सरकार और पुरातत्व विभाग से अनुमति ली और फिरौन के खज़ाने की खोज पर निकल पड़े। उनकी यात्रा उन्हें मिस्र के विभिन्न भागों में ले गई। उन्होंने रेगिस्तान के ऊंचे टीलों, घने जंगलों और प्राचीन मंदिरों का पता लगाया। रास्ते में, उन्हें कई खतरों का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो कुछ ने उनसे खज़ाना छीनने की कोशिश की। लेकिन अली और ओम हार नहीं माने। उनकी हिम्मत और दृढ़ संकल्प ने उन्हें आगे बढ़ाया।

कई सालों की कड़ी मेहनत और लगन के बाद, अली और ओम को सफलता मिली। उन्होंने फिरौन के खज़ाने के कई हिस्सों को ढूंढ निकाला। इनमें सोने के आभूषण, चांदी के सिक्के, प्राचीन हथियार और दुर्लभ कलाकृतियां शामिल थीं। उन्होंने अपनी खोजों को दुनिया के साथ साझा किया और मिस्र के इतिहास के बारे में हमारी समझ को गहरा करने में मदद ली। अली और ओम को उनकी बहादुरी और ज्ञान के लिए सम्मानित किया गया। लेकिन उनके लिए सबसे बड़ा इनाम यह था कि उन्होंने मिस्र के पिरामिडों के रहस्यों को सुलझाया और प्राचीन मिस्र के खज़ाने को दुनिया के सामने लाया।

सीखः यह कहानी हमें सिखाती है कि जिज्ञासा, साहस और दृढ़ संकल्प से हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं।

महाभारत : अगर कर्ण को पहले ही पता चल जाता कि वो पांडवों के भाई हैं तो क्या होता

अगर कर्ण को ये बात पहले से मालूम होती कि वह पांडवों का बड़ा भाई है तो उसका जीवन कुछ और होता. वह दुर्योधन के साथ शायद ही होता

अगर कर्ण को युद्ध से पहले ही पता चल जाता कि वह कुंती का पुत्र और पांडवों का बड़ा भाई है, तो क्या महाभारत की कथा पूरी तरह बदल सकती थी. दरअसल केवल तीन लोग जानते थे कि कर्ण वास्तव में कुंती का पुत्र है. इन तीन में दो ने ये बात कर्ण को ठीक महाभारत युद्ध से पहले बताई. तब कुछ नहीं बदल सकता था. लेकिन शायद ये तस्वीर तब अलग होती अगर ये बात कर्ण को उसके युवा काल या बचपन में ही बता दी गई होती. हालांकि इस बात पर विद्वानों, पौराणिक ग्रंथों और आधुनिक विश्लेषणों में अलग-अलग बातें कही गई हैं.

जब कुंती ने ये बात कर्ण को बताई : महाभारत के उद्योग पर्व के 143 वें अध्याय में कहा गया है कि युद्ध से पहले कुंती कर्ण के पास जाती हैं. उसे बताती हैं कि वह उसकी मां हैं. पांडव उसके भाई हैं. वह उसे पांडवों के पक्ष में आने के लिए मनाती हैं. तब कर्ण का जवाब होता है कि वह बेशक वह कुंती को मां मानता है, लेकिन दुर्योधन के प्रति निष्ठा और अपमान के कारण पांडवों का साथ नहीं देगा.

साथ ही कुंती को ये दिलासा भी देता है कि वह युद्ध में केवल अर्जुन को ही मारेगा, ताकि उसकी मां के पांच पुत्र बने रहें. महाभारत में ये साफ है कि कर्ण अर्जुन को हराने की अपनी प्रतिज्ञा से बंधा था, भले ही वह अपने भाइयों को बचाना चाहता था.

जब कृष्ण ने घर जाकर कर्ण को ये सच बताया : श्रीमद्भागवत पुराण (1.8.17-18) कहती है कि जब युद्ध से पहले कृष्ण खुद कर्ण के घर जाते हैं. उससे मिलकर उसके जन्म का रहस्य बताते हैं. उसे धर्म का मार्ग दिखाने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ण अपनी प्रतिज्ञा (दुर्योधन के प्रति वफादारी) के कारण नहीं मानता.

क्या होता अगर कर्ण पहले जान जाता : शायद युद्ध टल सकता था. अगर कर्ण को बचपन या युवावस्था में ही पता चल जाता कि वह कुंती का पुत्र है, तो वह पांडवों के साथ बड़ा होता. तब वह दुर्योधन के पाले में नहीं होता और पांडवों के साथ उसके रिश्तों में कोई कटुता नहीं आती.

तब कर्ण युधिष्ठिर की जगह हस्तिनापुर का उत्तराधिकारी बन सकता था (क्योंकि वह कुंती का ज्येष्ठ पुत्र था). तब दुर्योधन की इतनी ताकत भी नहीं होती, ना ही वो फिर पांडवों से इतनी अदावत लेता, ना ही पांडवों के खिलाफ षड्यंत्र कर पाता.

युद्ध का स्वरूप बदल जाता : कर्ण अगर पांडवों के पक्ष में आ जाता, तो कौरवों की हार निश्चित थी, क्योंकि कर्ण और अर्जुन के मिल जाने से संयुक्त बल अजेय होता. दुर्योधन तब शायद ही युद्ध की हिम्मत ही नहीं करता. हालांकि दुर्योधन को युद्ध और पांडवों के खिलाफ उकसाने वालों में कर्ण भी था. राहुल सांकृत्यायन अपनी किताब महाभारत की ऐतिहासिकता में लिखते हैं, 'कर्ण की कहानी एक ऐसे योद्धा की है जो सच जानकर भी उसे झुठलाता नहीं, बल्कि उसके साथ न्याय करता है.'

कर्ण के परिवार का क्या पांडवों से मेल हुआ : महाभारत युद्ध के बाद कर्ण की मृत्यु तो हुई ही, साथ ही उसके दस पुत्रों में केवल उसका सबसे छोटा पुत्र वृषकेतु ही जीवित बचा रहा. बाकी सभी पुत्र युद्ध में मारे गए थे – अधिकांश पांडवों के ही हाथों. कर्ण की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी वृषाली ने पति के वियोग में सती होना चुना. वह चिता पर बैठ गई.

कर्ण के पुत्र को अपनाया : कर्ण की मृत्यु के बाद, जब पांडवों को यह पता चला कि कर्ण वास्तव में उनकी माता कुंती का पुत्र और उनका बड़ा भाई था, तो उन्हें गहरा पछतावा हुआ. इसके पश्चात पांडवों ने कर्ण के जीवित पुत्र वृषकेतु को न केवल अपनाया, बल्कि उसे राजकुमार जैसा सम्मान दिया. वृषकेतु को पांडवों ने अपने साथ रखा, उसे शिक्षा दी. कई युद्धों में अर्जुन के साथ भेजा गया.

अर्जुन ने उसे युद्धकला की शिक्षा दी. वह अर्जुन के साथ अश्वमेध यज्ञ के दौरान अनेक युद्धों में शामिल हुआ. कहा जाता है कि वृषकेतु ने कई क्षेत्रों को जीतकर अर्जुन की सहायता की थी. कुछ कथाओं के अनुसार, वृषकेतु को ब्रह्मास्त्र, वरुणास्त्र, अग्नि और वायुस्त्र जैसे दिव्य अस्त्रों का ज्ञान था, जो उसे अपने पिता कर्ण से मिला था. वह अत्यंत वीर और योग्य योद्धा बना.

जीरा, सौंफ, धनिया का इस तरह करें सेवन

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम न जाने कितने ज़्यादा प्रयास करते हैं। दिनभर खानपान से लेकर वर्कआउट का ध्यान रखते हैं, ताकि खुद को हेल्दी और फिट रख सकें। खासतौर पर हममें से कई लोग अपने बढ़ते वजन से परेशान होने के बाद घंटों एक्सरसाइज़ और खानपान पर स्ट्रिक्ट रूप से ध्यान देना शुरू कर देते हैं लेकिन ऐसा करने से आपके शरीर पर कई बार विपरित असर भी पड़ता है। इसलिए एक सही डाइट की ज़रूरत होती है।

खासतौर पर अपने शरीर में मौजूद गंदगी को क्लीन करना बहुत ही ज़रूरी होता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका वजन सही रहे और आप फिट और हेल्दी रहें, तो जीरा, सौंफ और धनिया से तैयार पानी का सेवन करें।

यह एक ऐसा मिश्रण है जो आपके शरीर की कई समस्याओं को कम कर सकता है। आइए जानते हैं जीरा, सौंफ, धनिया का पानी पीने से सेहत को क्या लाभ हो सकते हैं...

बॉडी को डिटॉक्स करे...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी शरीर को डिटॉक्स करने में मदद कर सकता है। रोज़ाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर में जमा गंदगी और टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं। यह लिवर और किडनी को हेल्दी रखने में मदद करता।

पाचन में सुधार करे...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी पीने से पाचन तंत्र दुरूस्त होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व पाचन क्रिया को बेहतर करने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से कब्ज, गैस, अपच और एसिडिटी जैसी पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है। सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से गट हेल्थ में सुधार होगा।

वजन घटाने में मददगार...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। दरअसल, इसके सेवन से मेटाबॉलिज़्म बूस्ट होता है, जिससे शरीर में जमा अतिरिक्त फैट को तेजी से बर्न करने में मदद मिलती है। इसके नियमित सेवन से धीरे-धीरे वजन कम होने लगेगा।

इम्यूनिटी बूस्ट करे...

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी पीने से इम्यूनिटी बूस्ट हो सकती है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करते हैं। इसके सेवन से आप सर्दी, जुकाम, वायरल और बैक्टीरियल संक्रमणों से बचाव में मदद मिल सकती है।

स्किन की परेशानियां...

जीरा, सौंफ और धनिया से तैयार पानी पीने से आपकी स्किन संबंधी परेशानियां कम हो सकती हैं। क्योंकि यह पानी आपके शरीर में हार्मोन को बैलेंस करता है। साथ ही शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर करता है, जिससे आपके चेहरे पर चमक आ सकती है।

दिल को रखे स्वस्थ...

जीरा, धनिया और सौंफ के पानी का सेवन करने से दिल को स्वस्थ रखा जा सकता है। दरअसल, इसमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसके नियमित सेवन से दिल की बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है।

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी कैसे बनाएं : जीरा, धनिया और सौंफ का पानी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक गिलास पानी गर्म कर लें। अब इसमें एक चम्मच जीरा, एक चम्मच धनिया और एक चम्मच सौंफ डालकर उबालें। इसे तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न रह जाए। उसके बाद इस पानी को एक कप में छान लें और इसका सेवन करें। या फिर आप इन तीनों चीज़ों को रातभर भिगोकर भी सुबह इसका पानी इसी विधि से बना सकते हैं।

जीरा, धनिया और सौंफ का पानी स्वास्थ्य के लिए कई तरह से लाभकारी हो सकता है। हालांकि, अगर आपकी परेशानी काफी ज़्यादा बढ़ रही है तो इस स्थिति में डॉक्टर की सलाह ज़रूर लें।

$22 अरब का झटका! ऐपल और भारत के बीच आए ट्रंप! कंपनी को भारत में प्लांट बंद करने को कहा

एजेंसी

नई दिल्लीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने Apple Inc. के टिम कुक से भारत में प्लांट बनाना बंद करने को कहा है। आईफोन बनाने वाली यह कंपनी भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन करना चाहती है। लेकिन ट्रंप कंपनी की चीन से बाहर उत्पादन बढ़ाने की योजना से खुश नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान से Apple की योजना में रुकावट आ सकती है। Apple चाहती है कि अगले साल के अंत तक ज्यादातर ग्झ्प्दहा भारत में बनें। इससे चीन पर निर्भरता कम हो जाएगी। अभी Apple ज्यादातर iPhone चीन में बनाती है और अमेरिका में कोई भी स्मार्टफोन नहीं बनता है। ट्रंप ने कतर यात्रा में ऐपल के सीईओ टिम कुक से इस

बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'कल टिम कुक के साथ मेरी थोड़ी समस्या हुई। कुक भारत में प्लांट बना रहे हैं और मैं नहीं चाहता हूं कि Apple भारत में प्लांट बनाए।' ट्रंप ने दावा किया कि इस बातचीत के बाद Apple अब अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगा। ट्रंप ने साफ कहा, 'हमें भारत में आपके प्लांट बनाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत अपना ख्याल रख सकता है।'

ट्रंप ने क्या कहा : अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत में दूसरे देशों से आने वाले सामान पर बहुत ज्यादा टैक्स लगता है। इसलिए अमेरिकी सामान को भारत में बेचना मुश्किल है। भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत ने अमेरिकी सामान पर टैक्स कम करने का प्रस्ताव दिया है। भारत चाहता है कि आयात करों पर एक समझौता हो जाए।

Apple और उसके सप्लायर चीन से दूर जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसकी शुरुआत तब हुई जब चीन में COVID-19 के कारण Apple के सबसे बड़े प्लांट में उत्पादन रुक गया था। ट्रंप द्वारा लगाए गए टैक्स और अमेरिका-चीन के बीच तनाव ने Apple को यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। भारत में बनने वाले ज्यादातर iPhone फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप के प्लांट में बनते हैं। यह प्लांट दक्षिण भारत में है।

सैलरी वाले भी ध्यान दें... प्रॉपर्टी, शेयर, पेंशन से हुई है कमाई तो भरना होगा ITR-2 फॉर्म, जानें और किनके लिए है जरूरी

नई दिल्लीः सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (CBDT) ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म-2 (ITR-2) को जारी कर दिया है। ITR-2 ज्यादातर टैक्सपेयर्स के लिए जरूरी है, खासकर सैलरी पाने वाले कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए। यह फॉर्म 1 अप्रैल, 2025 से लागू हो गया है, यानी इस वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही।

खास बात यह है कि जिन लोगों को सैलरी या पेंशन से इनकम होती है या जिनकी एक से ज्यादा प्रॉपर्टी से इनकम होती है, वे ITR-2 का इस्तेमाल करके अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकते हैं। यह भी जरूरी है कि प्रॉपर्टी या दूसरे निवेशों को बेचने पर होने वाले कैपिटल गेन या नुकसान, चाहे वे लॉन्ग-टर्म हों या शॉर्ट-टर्म, को भी इस ध्ऊँ में बताना होगा।

...तो सैलरी वालों को भी जरूरी : ITR-2 उन सैलरी पाने वाले टैक्सपेयर्स के लिए है जो इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड में भी निवेश करते हैं। सैलरी पाने वाले लोगों को ITR-1 की जगह ITR-2 का इस्तेमाल करना होता है, अगर उनके पास एक से ज्यादा घर हैं, अगर उनकी कोई संपत्ति भारत से बाहर है, या अगर उनकी कुल इनकम 50 लाख रुपये से ज्यादा है।

इस बार हुए ये बदलाव : पहले एसेट और लायबिलिटी के बारे में जानकारी तभी देनी होती थी जब किसी व्यक्ति की कुल इनकम 50 लाख रुपये से ज्यादा होती थी। लेकिन, नए ITR-2 में यह नियम तभी लागू होगा जब कुल इनकम 1 करोड़ रुपये से ज्यादा होगी। इससे उन लोगों को राहत मिलेगी जिनकी सालाना इनकम 50 लाख से 1 करोड़ के बीच है, क्योंकि उन्हें अपनी संपत्ति और देनदारियों का हिसाब नहीं देना होगा।

TDS के बारे में जानकारी : पहले सिर्फ TDS काटने वाली कंपनी और काटी गई रकम की जानकारी देनी होती थी। लेकिन, अब यह बदल गया है। अब यह बताना जरूरी होगा कि TDS किस सेक्शन के तहत काटा गया है, जैसे कि 194C, 194J या कोई और सेक्शन।

इसके अलावा कैपिटल गेन (CG) शेड्यूल में भी दो बड़े बदलाव किए गए हैं। कैपिटल गेन से जुड़े लेनदेन की जानकारी शेड्यूल CG में भरी जाती है, जो ITR-2 फॉर्म के पार्ट A में होता है। अब टैक्सपेयर्स को यह बताना होगा कि संपत्ति का ट्रांसफर, जिससे लॉन्ग-टर्म या शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन या नुकसान हुआ, 23 जुलाई, 2024 से पहले हुआ था या बाद में।

विदेशी संपत्ति की भी जानकारी : नए ITR-2 में विदेशी संपत्ति के बारे में ज्यादा जानकारी देने की भी जरूरत है, जिसके लिए शेड्यूल FA (विदेशी संपत्ति) और FSI (विदेशी स्रोत से इनकम) भरने होंगे। इसके अलावा, शेड्यूल VDA में वर्चुअल डिजिटल एसेट के लेनदेन की जानकारी देनी होगी, जिस पर सेक्शन 115BBH के तहत 30% टैक्स लगता है। कुछ खास हाई-वैल्यू लेनदेन के लिए लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर (LEI) का खुलासा भी जरूरी है।

240 अंडे, 3 KG चिकन, एक बाल्टी चावल... एक दिन में इतना खा जाता है ढाई क्विंटल का हहए स्टार

एजेंसी

नई दिल्लीः WWE में कई रेसलर्स को अपने करियर में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई बार उनके शरीर और खाने पीने की आदतों की वजह से उन्हें परेशानी हुई। एक समय था जब WWE में सुमो रेसलर्स भी हुआ करते थे। उस समय WWE सुमो रेसलर्स की वजह से काफी चर्चा में था। लेकिन WWE ने कुछ सालों पहले सुमो रेसलिंग का सेगमेंट बंद कर दिया। आज हम एक ऐसे ही रेसलर की बात कर रहे हैं जिनका वजन बहुत ज्यादा था। उनका नाम योकोजुना था। योकोजुना अपने भारी वजन के कारण जाने जाते थे।

600 पाउंड के थे योकोजुना : WWE हॉल ऑफ फेमर योकोजुना अपने करियर के दौरान लगभग 600 पाउंड के थे। उन्हें हमेशा अपने वजन से परेशानी रही। जिमी उसो ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने योकोजुना और अन्य पहलवानों को 100 टर्की टेल ग्रिल करते देखा था। योकोजुना ने लगभग आधा हिस्सा अकेले ही खा लिया था। इससे जिमी को समझ आया कि वे सब इतने बड़े कैसे हो गए। योकोजुना अपने समय में WWE के बड़े स्टार थे और दो बार WWE चैंपियन भी बने। वे अनोआ'ई परिवार का हिस्सा थे, जिनके ज्यादातर सदस्य बड़े शरीर वाले होते हैं।

योकोजुना का वजन उनके करियर में एक मुद्दा था। लेकिन उन्होंने WWE में अच्छा प्रदर्शन किया। वे दो बार चैंपियन बने। उनका परिवार, अनोआ'ई परिवार, बड़े शरीर वाले पहलवानों के लिए जाना जाता है। योकोजुना अनोआ'ई परिवार से थे। इस परिवार के कई सदस्य WWE में बड़े नाम हैं। योकोजुना की सफलता और उनके बड़े शरीर की कहानी आज भी लोगों को याद है।

योकोजुना की डाइटयोकोजुना, एक प्रसिद्ध पहलवान थे। उनकी डाइट बहुत मशहूर थी। योकोजुना की डाइट में बहुत ज्यादा कैलोरी होती थी। इसमें अंडे, चिकन और चावल शामिल थे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वे रोजाना 240 अंडे खाते थे। साथ ही, 12 चिकन के पीस यानी कि लगभग 3 KG चिकन और एक बाल्टी चावल भी खाते थे। उन्हें मांस भी बहुत पसंद था। वे टर्की की पूंछ कभी-कभी खाते थे। उन्हें मेयोनेज भी बहुत पसंद था।

मन की बातें

प्रश्न : जब हमारे अन्दर हार्मोनल चेंजेस होते हैं तो हमारे मन के विचार ऑटोमेटिकली ही चेंज होने लगते हैं। भले वो कभी विकार के प्रति हों, या वो क्रोध या इरीटेशन के रूप में हों, तो हम ऐसा क्या करें कि शारीरिक बदलावों का हमारे ऊपर असर न हो?

उत्तर : बिल्कुल जब हार्मोनल चेंजेस होते हैं मनुष्य के शरीर में, बड़ों के में भी हो जाते हैं तो किसी में इम्प्युरिटी जाग्रत होती है तो किसी में देह के आकर्षण होते हैं। किसका झुकाव संसार की ओर बढ़ता है, और कई तरह की चीज़ें कोई इरीटेट रहने लगते हैं, किसी की खुशी चली जाती है। बहुत अच्छी दो चीज़ें इसके लिए करेंगे। पानी चार्ज करके पीना है क्योंकि कई बहनों को मैंने कराया है। बहनें पूछती हैं कि ऐसा होता है हमें। तो मैं कहता हूँ मुझे सब पता है ऐसा होता है इसमें लज्जा की बात नहीं है। तो दो स्वमान हैं- एक तो मैं परमपवित्र आत्मा हूँ या मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। सात बार संकल्प करेंगे दृष्टि

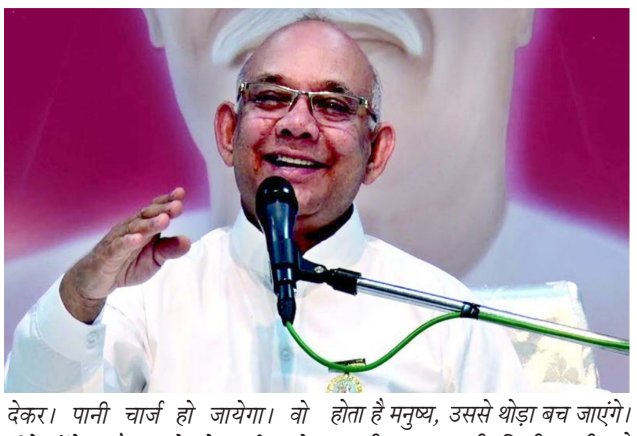

देकर। पानी चार्ज हो जायेगा। वो पीते रहेंगे। और अपने को चार्ज रखने के लिए मैं हमेशा एक चीज़ कहता हूँ सबको कि सवेरे उठकर कुछ सुन्दर संकल्प आपको करने चाहिए। लेकिन जब मनुष्य सवेरे उठता है तो उसका मन, उसका ब्रेन बहुत ही शांत या किसी का डल रहता है, विचार उठते नहीं हैं। तो ऐसे में दस सुन्दर विचार अपने पास रख लेने चाहिए। जिसे सवेरे उठकर पढ़ लो, फिर रिपीट कर लो। तो मन चार्जिंग़ स्थिति में आ जाएगा। और फिर इन सबके कारण जो इफेक्ट होता है माइंड पर, ब्रेन पर, व्यवहार बदलता है, इरीटेट होता है मनुष्य, उससे थोड़ा बच जाएंगे। अपनी बात अपनी किसी सखी को शेयर अवश्य करते रहना चाहिए। और बाबा सखा है तो उनसे भी शेयर करना चाहिए। अगर बाबा से करना सीख लें, उसको गुड फ्रेंड बना लें तो वो वैसे ही ठीक कर देता है।

प्रश्न : बाबा कहते हैं कि यदि कोई तुम्हे देह की दृष्टि से देखता है तो तुम्हारे ही पुरूषार्थ में कहीं कोई कमी है। तो हम क्या ऐसा पुरूषार्थ या अभ्यास करें जो लोगों की हमपर बुरी दृष्टि न जाये?

उत्तर : ये मैंने देखा प्रैक्टिकल में बहुत सारी बहनें बहुत अच्छी पर्सनैलिटी वाली होती हैं। लेकिन उनके चेहरे पर डिवनिटी होती है। कोई उन्हें बुरी दृष्टि से नहीं देखता। और बहुत बहनें ऐसी होती हैं जो बहुत सुन्दर नहीं होती लेकिन उनके प्रति लोगों की दृष्टि जाती है। हमारे अन्दर क्या है वो रिफ्लेक्ट होता रहता है ना बाहर, इसलिए कुछ अच्छे अभ्यास करते रहना चाहिए, जैसे- पवित्रता की देवी हूँ, मैं एक महान आत्मा हूँ, मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, और आजकल मैं जो सीखा रहा हूँ, अपने चारों ओर शक्तियों का औरा क्रिएट करें,आभामंडल क्रिएट करें। सात बार संकल्प करें कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ। फिर विज़ुअलाइज़ करें कि चारों ओर शक्तियों का घेरा बन गया है। उसके बीच में मैं हूँ और दूसरों को आत्मिक दृष्टि से देखें तो दूसरों की दृष्टि बुरी नहीं जायेगी। क्योंकि बहनों को इसको फेस करना पड़ता है। तो जितना अच्छा स्वमान होगा, पॉवरफुल बनके भी रहना है, कमज़ोरी भी न दिखाई दे। कई पवित्र आत्मा ऐसी हो जाती हैं थोड़ी डरने लगती हैं। थोड़ी कमज़ोर हो जाती हैं। तो मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ, मेरे साथ स्वयं भगवान है ये स्मृति में रखेंगे तो जो सूक्ष्म डर होता है वो निकल जायेगा।

प्रश्न : हमारी उम्र के अनुसार अगर हमारा किसी मेल की तरफ अट्रैक्शन होता है तो उसपर कैसे काबू पाया जाये?

उत्तर : आत्मिक दृष्टि रखनी है, और अपनी प्युरिटी के बारे में स्वयं से चिंतन अवश्य करते रहना है। क्योंकि चिंतन का बड़ा महत्व है। सवेरे कर लो, कभी भी आप अकेले हों तो अपने से चिंतन करें, अब मेरा वो मार्ग नहीं है, अब मेरा ये मार्ग प्युरिटी का है। अब मैंने भगवान को अपना लिया है। मुझे कलियुग की राहों पर नहीं चलना है। मुझे तो सगंमयुग की इस पवित्रता की राह पर चलना है। अब भगवान को मैंने अपना साथी बना लिया है। इस-इस तरह के जो सुन्दर विचार होंगे कि मैंने भगवान को वचन दे दिया है पवित्रता का, मेरी दृष्टि अब भगवान पर है, मनुष्यों की ओर तो जा ही नहीं सकती। बार-बार अपने को स्ट्रॉन्ग करेंगे तो दृष्टि हटती रहेगी और धीरे-धीरे खत्म हो जायेगी। कई बार जो चीज़ें हम देखते हैं या सुनते हैं या पढ़ते हैं क्योंकि आजकल मोबाइल सभी के पास है। तो वहाँ पर भी हमें संयम की ज़रूरत है। क्योंकि वहाँ से हमारे अन्दर गंदगी जा रही है। बहुत गंदगी होती है इन चीज़ों में हालांकि मैं देखता नहीं लेकिन मुझे कई कुमार आकर बताते हैं कि हमारा जीवन तो बिल्कुल खराब हो गया है। हमने छह मास ये गंदगी देख ली है अब वही स्वप्न आते हैं और वही विचार रहते हैं। सारा खेल बिगड़ गया है जिंदगी का। अब उसको हम कैसे भूलें? बहुत बड़ी कठिनाई हो जाती है। वही सीन उनके सामने आते हैं। गुगल आदि पर बहुत गंदगी डाल रखी है लोगों ने, तो इससे बचेंगे जो हमारा मार्ग ही नहीं है तो वो हम क्यों देखें? आप फिजिक्स के स्टूडेंट हैं तो आप कॉमर्स थोड़े ही पढ़ेंगे! तो वो हमारा सब्जेक्ट ही नहीं है ये संकल्प अपने मन में दृढ़ कर दें। फिर उन चीज़ों की ओर हमारा ध्यान नहीं जायेगा। कई लोग सोचते हैं नॉलेज बढ़ जाये लेकिन नॉलेज नहीं गंदगी बढ़ेगी।

53 साल की वो हसीना, जिसने 1 सुपरस्टार के साथ निभाए 3 किरदार, कभी बनी पत्नी, कभी प्रेमिका, तो कभी मां

फिल्म इंडस्ट्री में ऐसा कई बार देखने को मिला रहा है, जब अलग-अलग फिल्मों में एक्टर और एक्ट्रेस कई बार एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आए. लेकिन आज हम आपको इस अदाकारा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने कई बड़े एक्टर्स के साथ काम किया है, लेकिन उनमें से एक एक्टर ऐसा भी रहा, जिसके साथ उन्होंने तीन अलग-अलग रोल प्ले किए. कभी उनकी मां बनी, तो कभी पत्नी, तो कभी प्रेमिका. इतना ही नहीं, ये एक्ट्रेस हिंदी सिनेमा से लेकर साउथ सिनेमा में कई हिट फिल्मों की लाइन लगा चुकी हैं.

ये एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि बस्सुम फातिमा हाशमी यानी तब्बू हैं. तब्बू को किसी भी इंडस्ट्री में पहचान की जरूरत नहीं है, खासकर तमिल और तेलुगु सिनेमा में तो वे बेहद फेमस हैं. तमिल फिल्म 'कंडुकोंडेन कंडुकोंडेन' में अजीत के साथ उनकी जोड़ी को काफी पसंद किया गया था. तब्बू ने बहुत ही कम उम्र में एक्टिंग की शुरुआत की थी. जब वे सिर्फ 11 साल की थीं, तभी उन्होंने फिल्म 'बाजार' में एक छोटा किरदार निभाया था और उसके बाद 14 साल की उम्र में दूसरी फिल्म में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर नजर आईं. तब्बू ने बौतर हीरोइन सबसे पहले तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था. उनकी डेब्यू फिल्म थी 'कुली नंबर 1', जिसमें वो साउथ सुपरस्टार वेंकटेश के साथ नजर आई थीं. ये फिल्म अपने दौर सबसे बड़ी हिट थी और इसके बाद उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला. बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म 'प्रेम' थी, जिसमें वो संजय कपूर के साथ नजर आईं. हालांकि, ये फिल्म लेट रिलीज हुई. इसके बाद 1994 में 'पहला पहला प्यार' और फिर अजय देवगन के साथ आई 'विजयपथ' ने तब्बू को इंडस्ट्री में पहचान दिलाई.

इसके बाद तब्बू ने दो दशकों से भी ज्यादा समय तक सिनेमा में काम किया. उन्होंने अपने करियर के दौरान अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान, मोहनलाल, अजीत और अजय देवगन जैसे सुपरस्टार्स के साथ शानदार परफॉर्मेंस दी. उन्होंने हर रोल में खुद को साबित किया और हमेशा अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता. चाहे गंभीर रोल हो या हल्के-फुल्के तब्बू ने हर रोल में जान डाली. यही वजह है कि वे आज भी सिनेमा जगत की टॉप एक्ट्रेसेस में एक मानी जाती हैं, जिन्होंने दर्जनों हिट फिल्में दीं.

तब्बू ने तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्णा यानी बलैया के साथ कई फिल्मों में काम किया है और ये ही वो सुपरस्टार हैं, जिनके साथ उन्होंने 3 अलग-अलग किरदार निभा. बलैया के साथ उन्होंने मां, पत्नी और प्रेमिका तीनों किरदार निभाए. वी.वी. विनायक की फिल्म 'चेनकेशव रेड्डी' में तब्बू ने बलैया के डबल रोल की मां और पत्नी का रोल किया. ये फिल्म 2022 में रिलीज हुई थी. वहीं, के. राघवेंद्र राव की फिल्म 'पांडुरंगाडु' में तब्बू ने बलकृष्णा की प्रेमिका का किरदार निभाया था और ये फिल्म भी हिट हुई थी.

तुर्की विवाद पर कमेंट करने से तुषार कपूर ने किया इनकार

बोले– 'मुझे नहीं पता क्या चल रहा'

फिल्म 'कंपकंपी' की रिलीज को लेकर उत्साहित अभिनेता तुषार कपूर ने तुर्किये और अजरबैजान के विवाद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है. बुधवार को मुंबई में 'कंपकंपी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि उन्हें तुर्किये और अजरबैजान के मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है, खासकर भारत और पाकिस्तान के हालिया तनाव को देखते हुए.

भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया था, जिससे आम लोगों और फिल्म इंडस्ट्री में आक्रोश फैला. कई सितारों ने 'बॉयकॉट तुर्किये' का समर्थन किया, जिनमें अभिनेत्री रूपाली गांगुली और गायक विशाल मिश्रा भी शामिल हैं.

फिल्म के बारे में भी किया रिएक्ट : जब तुषार कपूर से पूछा गया कि क्या यह फिल्म रिलीज का सही समय है, तो उन्होंने कहा, 'हर फिल्म की अपनी एक शैली होती है और हॉरर-कॉमेडी मौजूदा परिस्थिति में दर्शकों के लिए खास है. इस फिल्म में वह सब कुछ है, जो हमारे दर्शक थिएटर में देखना चाहेंगे.'

तुर्की विवाद पर क्या बोले तुषार कपूर : तुर्की और अजरबैजान विवाद के बारे में उन्होंने कहा, 'मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन हम भारतीय सेना के साथ हैं और नियम का पालन करते हैं. थिएटर खुले हैं और फिल्में चल रही हैं, जिसका मतलब है कि लोग सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और यह विश्वास हमारी मजबूत सरकार से आ रहा है. हालांकि, मैं इस विषय पर अधिक नहीं कह सकता क्योंकि मेरे पास पर्याप्त जानकारी नहीं है.'

डेब्यू करते ही बनीं स्टार, बैक टू बैक लगी ऑफर्स की झड़ी

एक एक्ट्रेस ऐसी हैं जिन्हें 16 साल की उम्र में राज कपूर ने ढूंढा था. ऐसे में उन्होंने कपूर खानदान की फिल्म से डेब्यू किया और पहली ही फिल्म ब्लॉकबस्टर हो गई. फिल्म का सबसे ज्यादा श्रेय गया था खूबसूरत एक्ट्रेस को. जिन्होंने फ्लॉप हो रहे एक्टर की भी नैया पार लगा दी थी. जी हां, हम बात कर रहे हैं मंदाकिनी की, जिन्होंने राम तेरी गंगा मैली हो गई फिल्म से डेब्यू किया. फिल्म में वह राजीव कपूर के अपोजिट नजर आईं. राजीव की करियर की ये इकलौती सबसे ब्लॉकबस्टर फिल्म थी.

मंदाकिनी ने 80 के दशक में एंट्री की. जब पहले से ही पूनम ढिल्लो, मीनाक्षी शेषाद्रि और कई हिट एक्ट्रेस का राज था. फिर भी मंदाकिनी ऐसे आईं मानो कोई तूफान. एक बार उन्होंने इंटरव्यू में बताया था कि करियर की पीक पर उन्हें एक ही समय में कई फिल्में ऑफर होती थीं लेकिन 2-3 बार तो ऐसा हुआ कि फिल्म ठप्प पड़ गईं.

कैसे 10 दिन बाद ही शूटिंग हो गई बंद : कपिल शर्मा के शो में मंदाकिनी एक बार नजर आई थीं. तब कपिल शर्मा ने उनसे उनके करियर की पीक के बारे में पूछा था. मंदाकिनी ने बताया था कि ब्लॉकबस्टर डेब्यू देने के बाद उनके पास कई ऑफर आने लगे थे. वह करियर की पीक पर थीं. ऐसे में कुछ फिल्मों के ऐसे भी ऑफर आते थे. जिन फिल्मों की शूटिंग शुरू भी होती, एंडवास रकम भी मिल जातीष्ठफिर किसी न किसी कारण से फिल्म बंद पड़ जाती. एक बार तो उन्होंने फिल्म की 10 दिन शूटिंग भी कर ली थी और फिर मेकर्स का अता पता तक नहीं था कि आखिर क्या हुआ.

मेरठ की मंदाकिनी : मंदाकिनी का असली नाम यासमीन जोसेफ हैं जिनके पिता ब्रिटिश तो मां कश्मीरी हैं. उन्होंने 16 साल की उम्र में काम करना शुरू किया. राज कपूर ने ही उन्हें मंदाकिनी स्टेज नाम दिया था. साल 1985 में उन्होंने राम तेरी गंगा मैली हो गई में काम कयिा और ये फिल्म सुपरहिट रही. इतना ही नहीं, उनके बोल्ड अंदाज की भी चर्चा रही थी.

व्यर्थ होते समय को बचाने के उपाय...

संगमयुग का यह अनमोल समय है। सारे कल्प में यह वही समय है जब हम भगवान से पूरा वर्सा लेने का पुरूषार्थ करके ऊंचे से ऊंचा भविष्य बना सकते हैं। इसका एक-एक क्षण कितना मूल्यवान है! अगर हम उसका सही रीति से उपयोग करें, प्रयोग करें तो मालामाल हो जाएं। अगर हम उसका उपयोग ठीक रीति से नहीं करें, गँवा दें तो कितना बड़ा नुकसान है! व्यक्ति आमतौर से कोई कार्य करता है तो देखता है कि इसके लाभ और हानि क्या हैं, जिसको हम निर्णय कहते हैं।

निर्णय में माइनस और प्लस प्वाइंट सोचा जाता है। संगम का एक सेकण्ड, मिनट व्यर्थ गंवाने से कितना भारी नुकसान है! और फिर यह रिपीट(पुनरावृत्त) भी होता है। रिकरिंग लॉस है। फिर-फिर होने वाला नुकसान। यह नुकसान ऐसा है जो फिर-फिर होगा। एक दफा गँवा बैठे और आगे चलकर ठीक कर देंगे, ऐसा नहीं। गँवाया सो गँवाया हर कल्प, कल्प कल्पान्तर गँवाना पड़ेगा। भगवान का संग मिला, वह टीचर के रूप में मिला, सद्गुरू के रूप में मिला। वह पारलौकिक बाप हमें पारलौकिक वर्सा देने के लिए आया है। इतना प्यार से वह हमें मार्गदर्शन करता है, फिर हम उस समय को गँवा दें तो क्या कहेंगे? किन-किन बातों में हम अपना समय व्यर्थ गँवाते हैं- यह चर्चा करेंगे।

प्रभाव और उदासीनता से कोसों दूर रहना इसमें हैं, इम्प्रेशन(प्रभाव), डिप्रैशन। उदासीनता एक विश्वव्यापी बीमारी है। बहुत लोग ऐसे हैं जो दिन में कई दफा डिप्रैस्सड होते हैं। अभी देखें तो ठीक हैं, खुश हैं परन्तु थोड़े समय के बाद देखें तो डिप्रैस्सड हैं। बार-बार ऐसा होता है। उसके कई कारण हैं। जब व्यक्ति यह सोच लेता है कि मैं किसी काम का नहीं। मैं बिल्कुल बेकार हूँ, निकम्मा हूँ। देखता है कि दूसरा व्यक्ति आगे निकल रहा है, उसकी वाह, वाह हो रही है, उसे कुछ लाभ हो रहा है, मैं क्या कर रहा हूँ! मैं किसी काम का आदमी नहीं हूँ। खुद ही खुद के लिए कहता है कि मेरे जैसा निरुपयोगी और कोई नहीं। आमतौर पर उर्दू में चिट्ठी में लिखते थे- नाचीज़।

उस समय एक रिवाज़ जैसा था कि लोग अपने को कहते थे और लिखते थे कि नाचीज़। नाचीज़ माना मैं कुछ नहीं। मैं तो कुछ भी नहीं हूँ, दासों का दास हूँ। पाँव की धूल हूँ। कई लोग समझते हैं कि ऐसा कहना या ऐसा लिखना नम्रता है। लेकिन कुछ लोग अपने आपको अनुभव भी ऐसा करते हैं। ऐसी निकृष्ट भावना में चले जाते हैं। भक्तिमार्ग में माया से जो हार हमारी होती है उसका एक कारण यही है कि हम समझ बैठते हैं कि हम तो निकम्मे हैं, किसी काम के नहीं। हे प्रभु, आप ही हमारे ऊपर कृपा करो, हमें छुड़ाओ। हम तो नीच हैं, पापी हैं। ऐसे अपने को खुद गाली देते थे। यह हीन भावना की महसूसता है, आत्म विश्वास की कमी है। अब संगमयुग में यह उल्टा हो गया। भगवान आकर कहते हैं, 'मीठे बच्चे, तुम तो इष्ट हो। देखो, तुम्हें आवाज़ सुनाई नहीं देती, तुम्हारे भक्त तुम्हें याद कर रहे हैं, पुकार रहे हैं? शान्तिदेवा, शान्तिदेवा कह रहे हैं। ये आप ही तो थे जिन्होंने उनको शान्ति दी थी।' भूत और भविष्य जो पुनरावृत्त होता है, बाबा वह बताते हैं। भूतकाल पुनरावृत्त होता है। इसीलिए कहते हैं भूत, भविष्य बनता है चक्र का सब राज़ समझाकर बाबा कहते हैं कि पहले तुम क्या थे! आप ही सृष्टि के आधारमूर्त हो, उद्धारमूर्त हो। बाबा फिर से हमारे में आत्म विश्वास जाग्रत करते हैं और उसका विकास कराते हैं। परन्तु हम कोई बात होने पर, कोई परिस्थिति आने पर अपना विश्वास खो बैठते हैं।

जिसे आप पढ़ रहे हैं, अपने आप को जिनकी शिक्षाओं से गढ़ रहे हैं तो उनके बारे में जानना भी ज़रूरी है। भ्राता जगदीशचन्द्र हसीजा ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्य प्रवक्ता रहे। उन्हें सारे वेदों, शास्त्रों और आध्यात्मिकता की गहराई का ही सिर्फ ज्ञान नहीं था बल्कि वे उन भाग्यशाली आत्माओं में से एक थे जोकि स्वयं भगवान ने उन्हें चुना और साथ-साथ सृष्टि परिवर्तन के कार्य में अपना प्रमुख सहयोगी भी बनाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक ज्योति अरोड़ा एवं संपादक राकेश कुमार द्वारा लक्ष्य प्रिंटर्स 521/8बी, ग्राउंड फ्लोर, गली नं. 14, आदर्श मौहल्ला, मौजपूर, दिल्ली-53 से मुद्रित एवं सी-802, मयुर ध्वज अपार्टमेंट, गीता कालोनी, दिल्ली-110031से प्रकाशित। यूनिवर्सल मीडिया न्यूज़पेपर परमपिता परमात्मा शिव को समर्पित है और उन्हीं के प्रेरणा स्त्रोत प्रकाशित किया जाता है। नोट: किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायलय ही मान्य होगा। रचनाओं, लेख और समाचार आदि से संपादक, प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक हैं। Title Code : DELHIN28978, DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021